• जयपुर, सोमवार, 23 सितंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 38 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 क्षमा से होती है आत्मा की शुद्धि, जैन धर्म में वैश्विक शांति-सद्भाव का संदेश : मुख्यमंत्री...

पेज @4 अजमेर के विकास में कोई बाधा नहीं आएगी : देवनानी...

पेज @8 जिला करौली में एक दिवसीय जिला स्तरीय अधिवक्ताओं का...

क्षमा से होती है आत्मा की शुद्धि, जैन धर्म में वैश्विक शांति-सद्भाव का संदेश : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

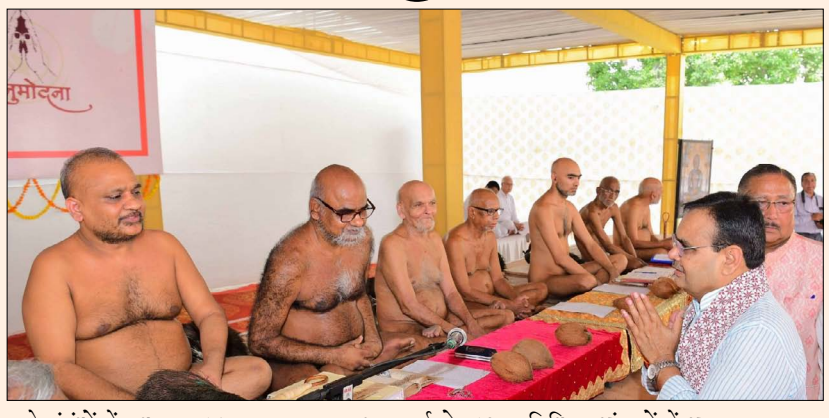

चमकता राजस्थान

जयपुर, 22 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गलती होना स्वाभाविक है लेकिन उस गलती को स्वीकार करते हुए क्षमा मांग लेना बहुत बड़ा मानवीय गुण है और सामने वाले को क्षमा करना उससे भी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि क्षमा मांगने से कटुता और द्वेष-भाव समाप्त हो जाता है जिससे समाज में शांति एवं सद्भाव का मार्ग प्रशस्त होता है।

शर्मा रविवार को जयपुर में महावीर पब्लिक स्कूल में राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित 'सामूहिक क्षमापन पर्व समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे आत्मिक शुद्धिकरण का पर्व होने के साथ-साथ समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण भी करवाता है। जैन धर्म में क्षमा याचना का बहुत महत्व है। क्षमा याचना से आत्म-शुद्धि होती है जिससे संबंधों में सुधार होता है और मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक विकास होता है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने क्षमा को सबसे महत्वपूर्ण बताया और जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म ने पूरे विश्व को शांति और सद्भाव का संदेश दिया है। क्षमा ही सबसे बड़ा आभूषण है। इस अवसर पर श्री शर्मा ने सोलहकारण व्रत के 32 एवं 16 उपवास, दशलक्षण पर्व के 10 उपवास करने वाले त्यागीवृत्तियों का सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज धार्मिक, सामाजिक और लोक कल्याण के कार्यों में विशेष पहचान रखता है। शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य तथा गरीब-जरूरतमंदों की सहायता में जैन समाज सदैव अग्रणी रहा है। जैन समाज के अनेक ट्रस्ट और संगठन प्रदेश के विभिन्न अंचलों में अस्पताल, स्कूल और धर्मशालाओं का संचालन कर हर वर्ग के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग पर जैन छात्रावास के लिए जमीन आवंटन करने का सकारात्मक आश्वासन भी दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर संतों-मुनियों का सदैव स्वागत है।

दशलक्षण पर्व शांति की नींव

शर्मा ने कहा कि जैन धर्म का दशलक्षण पर्व मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह पर्व न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाता है, बल्कि सामाजिक सामंजस्य और शांति की भी नींव रखता है। उन्होंने कहा कि इन गुणों का अनुकरण कर हम न केवल अपने जीवन को शुद्ध कर सकते हैं, बल्कि समाज को भी सुखी और समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय की शिक्षाएं आज के युग में भी प्रासंगिक हैं। अहिंसा का सिद्धांत शारीरिक, मानसिक और वाचिक हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा देता है।

ऋषि-मुनि समाज के पथ-प्रदर्शक

मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों और ऋषि-मुनियों ने देश की गौरवशाली संस्कृति एवं परम्पराओं को संरक्षित रखने का महती कार्य किया है। मुनियों ने समाज को रास्ता दिखाया और देश की प्रगति में उनका योगदान अप्रतिम है। शर्मा ने कहा कि जैन समाज के मुनि देश भर में भ्रमण कर समाज को आध्यामिक रूप से मजबूत कर रहे है।

हमारे मुख्यमंत्री हैं सेवाभावी

मुनि शशांक सागर, पावन सागर एवं समत्व सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री शर्मा के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए उनकी सादगी-सहृदयता की सराहना की। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सेवाभावी हैं, ये नाम और काम दोनो से झलकता है। इस अवसर पर मुनि सुभद्र सागर, अर्चित सागर, शील सागर एवं संदेश सागर भी उपस्थित रहे। समारोह में जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, जयपुर ग्रेटर नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावट, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग शामिल हुए।

न्यूज अपडेट

जयपुर में युवक की मौत पर हंगामा, लोगों ने थाने का घेराव किया: शराबी कार चालक पर आरोप

जयपुर/एजेंसी। झालाना बाइपास पर हुए एक दुखद हादसे के बाद रविवार को लोगों ने एक्सीडेंट थाना (ईस्ट) का घेराव किया, जहां मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। घटना में बाइक सवार अजय कुमार शर्मा की कार की टक्कर से मौत हो गई थी, जबकि उसका रिश्तेदार रोशन घायल हो गया। हादसे के बाद आक्रोशित भीड़ ने थाने पर इका होकर न्याय की मांग की और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। बुधवार रात को झालाना बाइपास पर कार ने गलत साइड जाकर बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें 29 वर्षीय अजय कुमार शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई और उसके रिश्तेदार रोशन के साथ ई-रिक्शा चालक बबलू खान घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन अजय की मौत से नाराज लोगों ने आरोपी कार चालक महेंद्र कुमार रुंडला पर शराब के नशे में वाहन चलाने का आरोप लगाया।

कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को पलटाने की साजिश, रेलवे ट्रैक पर मिला छोटा गैस सिलेंडर

कानपुर/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को उड़ाने की साजिश सामने आई है। कानपुर देहात जिले में रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर मला है, जिससे टकराने के बाद कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। बता दें हाल में ही कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश रची गई थी। इसके लिए रेलवे ट्रैक पर एलपीजी सिलेंडर रखा गया था। इसके अलावा रेलवे लाइन के पास पेट्रोल और बारूद भी बरामद किया गया था।

जानकारी के मुताबिक, नॉर्थर्न सेंट्रल रेलवे के प्रयागराज डिवीजन के पेरम्बूर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एलपीजी का छोटा सिलेंडर मिला था। यहां से मालगाड़ी गुजरने वाली ही थी कि लोको पायलट ने उससे पहले ही मालगाड़ी को रोक दिया, जिसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। जिस जगह रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर मिला है, वो कानपुर देहात जिले में पड़ता है। रेलवे सुरक्षा बल के एसपी ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर पांच किलो की क्षमता वाला एलजीपी का खाली सिलेंडर रखा हुआ पाया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन की स्पीड काफी धीमी थी। लोको पायलट ने जब सिलेंडर को देखा तो इमरजेंसी ब्रेक लगाई और उसके बाद अधिकारियों को इसकी सूचना दी।

तिरुपति लड्डु केस: पूर्व सीएम रेड्डी के खिलाफ हैदराबाद में शिकायत दर्ज, लगाए गए गंभीर आरोप

हैदराबाद/एजेंसी

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसिद्ध तिरुपति 'लड्डू प्रसादम' में इस्तेमाल किए जाने वाले घी में मिलावट का मामला इन दिनों चर्चा में है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने एनडीए दल के विधायकों की बैठक के दौरान प्रसाद में मिलावट के आरोप लगाए थे। वहीं अब इन आरोपों के बाद आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी एवं अन्य के खिलाफ हैदराबाद में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में उन पर मंदिर को अपवित्र करने के ''दुर्भावनापूर्ण कृत्य'' और हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

अधिवक्ता के.करुणा सागर ने जांच लैब की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सैदाबाद पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। के. करुणा सागर ने कहा है कि वह इस रिपोर्ट को देखकर हैरान हैं। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा उन्होंने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को कथित रूप से अपवित्र करने और लाखों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जगनमोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। कानूनी राय के बाद की जाएगी कार्रवाई वहीं पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन

तिरुपति लड्डु विवाद का मामला पहुंचा सुप्रीमकोर्ट, याचिका दायर कर की गई एसआईटी जांच की मांग

नई दिल्ली/एजेंसी। तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डु प्रसादम में पशु की चर्बी के इस्तेमाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। याचिका में इस पूरे मामले की जांच के लिए स्ट्रक्ज़ गठित किए जाने की मांग की गई है।

बता दें हिन्दू सेना के अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इससे पहले इसी मसले पर वकील सत्यम सिंह राजपूत ने एक पत्र याचिका भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को प्रेषित की थी। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि की गई है।

यह पूरा विवाद 18 सितंबर को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू के आरोप और एक रिपोर्ट के खुलासे से शुरू हुआ। चंद्रबाबू नायडू ने रिपोर्ट के हवाले से आरोप लगाया कि तिरुपति के प्रसाद में प्रयुक्त कथित देसी घी जानवरों की चर्बी वाली वसा से युक्त है। उनके इस दावे के बाद बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

पवन कल्याण ने 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा शुरू की

अमरावती/एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुमाला प्रसादम लड्डू में पशु चर्बी की कथित मिलावट के लिए रविवार को गुंटूर जिले के एक मंदिर में अपनी 11 दिवसीय प्रायश्चित दीक्षा शुरू की।

पवन कल्याण ने गुंटूर जिले के नंबूर में श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पुजारियों द्वारा आयोजित पूजा और अनुष्ठान के बाद उपवास शुरू किया। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने कहा कि दीक्षा के बाद वह तिरुमाला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी का आशीर्वाद लेंगे। साथ ही ईश्वर से विनती करेंगे कि उन्हें पूर्व शासकों के पापों का प्रायश्चित करने की शक्ति प्रदान करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह लड्डू प्रसादम में मछली और पशु चर्बी से मिलावटी घी इस्तेमाल किए जाने से दुखी हैं और इसलिए उन्होंने 'प्रायश्चित दीक्षा' करने का फैसला लिया। दीक्षा शुरू करने से पहले दिए गए एक बयान में जन सेना के नेता पवन कल्याण ने कहा, हे, बालाजी भगवान! क्षमा करें प्रभु। तिरुमाला लड्डू प्रसाद जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है, वह प्रसाद पिछले शासकों की अनियंत्रित प्रवृत्ति के कारण अपवित्र हो गया था।

लॉरेन्स-गोल्डी गैंग की धमकियों से कारोबारियों में दहशत, 5-5 करोड़ की मांगी फिरौती, स्पेशल सेल करेगी मामलों की जांच

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में कारोबारियों को लारेंस बिश्नोई , रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के नाम से धमकी भरी कॉल्स मिल रही हैं, जिससे व्यापारियों में भारी दहशत फैल गई है। इन कॉल्स में करोड़ों रुपए की मांग की जा रही है और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हाल ही में दो नए मामले सामने आए हैं, जिनमें कॉल करने वालों ने 5-5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है।

पहला मामला दिल्ली के सैनिक फार्म क्षेत्र का है, जहां गैंगस्टर रोहित गोदारा ने एक बिल्डर को कॉल कर 5 करोड़ की मांग की। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला ग्रेटर कैलाश का है, जहां सॉन्ग प्रोड्यूसर अमन बत्रा को लारेंस बिश्नोई के गुर्गे ने 5 करोड़ की फिरौती के लिए धमकी दी। कॉल करने वाले ने पैसे न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। पुलिस ने इस मामले में भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच स्पेशल सेल को सौंप दी है। इन घटनाओं ने शहर के व्यापारियों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

हिमाचल में मुफ्त नहीं मिलेगा पानी, गांवों में हर महीने आएगा इतने रुपये का बिल

शिमला/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पानी अब मुफ्त नहीं मिलेगा। सरकार ने पानी की नई दरें तय कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में हर महीने प्रति कनेक्शन 100 बिल आएगा। शहरी क्षेत्र में 0 से 20 किलो लीटर खपत पर 19 रुपए 30 पैसे के हिसाब से बिल आएगा। जबकि 20 से 30 किलो लीटर पर 33 रुपये 28 पैसे प्रति किलो लीटर की दर से पानी का बिल आएगा। 30 किलो लीटर से ज्यादा इस्तेमाल पर 59 रुपये 90 पैसे प्रति किलो लीटर की दर से बिल आएगा। मेंटेनेंस चार्ज और कनेक्शन कटने पर भी हर महीने 110 रुपये चुकता करने होंगे। हर महीने यह शुक्ल देना होगा।

सरकार ने सरकारी संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं, निजी स्कूलों, होम स्टे, निजी कार्यलयों, रेस्टोरेंट और सामान्य होटलों के लिए भी पानी की नई दरें तय की है। 20 किलोलीटर तक 19 रुपये 30 पैसे, 30 किलोलीटर तक 33 रुपये 28 पैसे और 30 से 50 किलोलीटर पर 59 रुपये 90 पैसे, 50 से 100 पर 106 रुपये 30 पैसे, 100 किलोलीटर से अधिक पर 150 रुपये प्रति किलोलीटर के हिसाब से बिल आएगा। सरकार ने व्यवसायिक जिनमें लग्जरी होटल 30 किलोलीटर तक 106.30 पैसे प्रति किलो लीटर के हिसाब से रेट तय किया है इसी तरह 30 किलोलीटर से 75 किलोलीटर तक खपत पर 141 रुपए 76 पैसे की दर से बिल वसूला जाएगा।

चीन और पाक की बढ़ेगी टेंशन, यूएस से भी होगी मेगा ड्रोन डील

परमाणु पनडुब्बियां बनाने में फ्रांस देगा भारत का साथ

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत लगातार सैन्य रूप से ताकतवर हो रहा है। तीनों सेनाओं की क्षमता को सरकार अपग्रेड करने में जुटी हुई है, जिससे पड़ोसी मुल्क चीन और पाक की टेंशन भी लगातार बढ़ रही है। भारतीय नौसेना ने भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल को कम करने के लिए अपनी युद्धक क्षमता बढ़ाने का फैसला किया है। वहीं, यूएस के साथ भी एक मेगा ड्रोन डील हो सकती है। इस बीच नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए भारत अपने

रणनीतिक रक्षा साझेदार फ्रांस के साथ एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों सरकार भारत के साथ परमाणु हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण पर चर्चा करने और उनका समर्थन करने के लिए तैयार है और भारत को 110 किलो-न्यूटन थ्रस्ट एयरक्राफ्ट इंजन और पूर्ण क्षमता वाले अंडरवाटर ड्रोन के लिए 100 फीसद प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पेशकश कर रही है। बता दें कि 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पेरिस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और मैक्रों के कूटनीतिक सलाहकार इमैनुएल बोने में भारत-फ्रांस रणनीतिक वार्ता होने वाली है। इस वार्ता के एजेंडे में ये रक्षा डील भी शामिल है। दूसरी ओर अमेरिका में हो रहे क्वाड शिखर सम्मेलन से आज पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने द्विपक्षीय वार्ता की। इस बैठक में भारत और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर के ड्रोन सौदे को अंतिम रूप दिया गया, क्योंकि मोदी ने बाइडन के साथ दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने ड्रोन सौदे पर भी विस्तार से चर्चा की। भारत अमेरिका से 31एमक्यू-9बी स्काई गार्जियन और सी गार्जियन ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया में है। इन ड्रोन को खरीदने की लागत करीब 3 बिलियन डॉलर है।

देश की जरूरत है समान नागरिक संहिता और चुनाव-सुधार

ग'ण' समूह की इकाई का बोधक प्राचीन शब्द है। वह एक ऐसी इकाई जो सुपरिभाषित हो और जिसका परिगणन संभव हो। गण 'संघ' का पर्याय है और गणों का समूह भी। देवताओं में विघ्न विनाशक गणेश जी 'गणपति' के रूप में विख्यात हैं। अभी–अभी पूरे देश में उनकी वंदना का उत्सव मनाया गया। स्वयं गणपति तो सेकुलर हैं पर सेकुलर राजनीति उनको ग़ैर–सेकुलर मानती है।

भारत की संसद ने एक संविधान को अंगीकार किया जो सामाजिक विषमताओं और असमानताओं को दूर करने और नागरिक जीवन के विधिसम्मत संचालन की व्यवस्था करता है। उल्लेखनीय है कि देश की सामाजिक–सांस्कृतिक विविधता और बहुलता उस समय भी मौजूद थी जब संविधान बन रहा था। परंतु उस दौरान सब के बीच देश की एकता मुखर थी और उसके प्रति एकल प्रतिबद्धता थी देश को स्वतंत्रता मिली और 'स्वराज' यानी अपने ऊपर अपना राज स्थापित करने का अवसर मिला। स्वराज का भाव जिम्मेदारी भी सौंपता है। हमने स्वतंत्रता का स्वाद तो चखा पर उसके साथ की जिम्मेदारी उठाने में कतराते गए। देश को देने की जगह क्या क्या पा लें इस चक्कर में भ्रष्टाचार, भेदभाव, द्वेष, संघर्ष तथा अवसरवादिता बढ़ने लगी। अब नैतिक मानकों से परे हट कर धनबल, बाहुबल और जाति बल के साथ दबंग–बल राजनीति में प्रभावी हो रहा है। बेरोजगारी और मंहगाई आम लोगों के लिए विकट समस्या है। अब लोकसभा और राज्यसभा में भी अभद्र व्यवहार बढ़ रहा है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर निरंकुश अराजकता के चलते संसद न चले यह लोकतंत्र के लिए घातक है। देश और समाज की चिंताओं पर आज सत्ता की लालसा हावी हो रही है। राजनीति कमाऊ व्यवसाय का रूप लेती जा रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश की स्वतंत्रता को रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने की कोशिश की थी परंतु राजनीति आडंबरों में फँसती गई। देश और राष्ट्र की चिंता पृष्ठभूमि में जाती रही और हम भूल गए कि हम देश के ऋणी हैं। हमने उसे उपभोग की वस्तु बना दिया। पृथ्वी को मातृभूमि मान कर पुत्र की तरह उसकी सेवा सुश्रूषा और रक्षा करने की बात अटपटी लगने लगी। अपना हक़ जताते हुए हम दोहन करने लगे। पर 'नागरिक' होने का अर्थ सभी भारतीयों के लिए क्या हो इसे सवाल बनाया जा रहा है और सबके लिए एक नागरिक संहिता या यूसीसी को कुछ लोगों के नागरिक होने के अधिकार की स्वतंत्रता पर आघात के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि नागरिक होने के नाते सभी भारतीय कुछ मूल अधिकारों को पाने और कुछ कर्तव्यों का पालन करने के अनिवार्य दायित्व से खुद ब खुद स्वाभाविक रूप से जुड़ जाते हैं। सामान्य जीवन निर्बाध रूप से चल सके इसके लिए एक देश में एक तरह के नागरिकता बोध को व्यवहार में लाना जरूरी है।

गौरतलब है कि यूसीसी सेकुलर दृष्टि से सबको एक नागरिक का दर्जा देता है। समानता के उद्देश्य को पाने के लिए यह एक निर्णायक कदम होगा। चुनाव संसदीय प्रजातंत्र की हमारी बहुदलीय राजनैतिक व्यवस्था की एक बड़ी खूबी है जिसके सहारे आम जनता देश के शासन में अपनी भागीदारी महसूस करती है। सामान्यत: प्रदेश और देश के स्तर पर ये चुनाव पांच साल के अंतराल पर आयोजित होते हैं। आज़ादी मिलने के बाद दोनों साथ होते थे पर अब आज की स्थिति यह हो गई है कि इन चुनावों का केलेंडर अलग ही हुआ करता है। इन चुनावों के दौरान हो रही उठा–पटक के साथ पूरे देश का माहौल गर्माता रहा है। चुनावी खेल का महोत्सव लगभग साल भर चलता ही रहता है और इसे देख देख जनता ऊब चुकी है और नेता गण भी थक जाते हैं । हर चुनाव कोई एक क्षणिक घटना न हो कर कुछ महीनों तक खिंचने वाली लम्बी प्रक्रिया होती है। इसमें न केवल राजनैतिक दल अपनी जोर आजमाइश करते हैं बल्कि चुनाव आयोग और सरकारी प्रशासन तंत्र को लम्बी चौड़ी व्यवस्था को भी चाक–चौबंद रखना पड़ता है। चुनाव कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने पर हज़ारों करोड़ का खर्च बैठता है जिसका भार जनता ही उठाती है। सरकार भी राजनैतिक पार्टी से जुड़ी होती है इसलिए उसके काम बाधित होते हैं ख़ास तौर पर आचार संहिता का ग्रहण लगने पर सब काम ठप हो जाता है। चुनावी दंगल का लगातार होते रहना पक्ष और प्रतिपक्ष किसी के भी हित में नहीं दिखता।

वस्तुत: निरंतर चल रहे चुनाव का खामियाजा देश में हर किसी को भुगतना पड़ता है। सरकारी काम का हर्जा तो होता ही है सरकारी खर्च बढ़ता है, महंगाई बढ़ती है और साथ में प्रशासनिक मुश्किलें भी बढ़ती हैं। परन्तु इन सबसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह है की सतत चुनाव के चलते राजनैतिक राग–द्वेष की सतत गूंज सामाजिक परिवेश को प्रदूषित करती है । राजनैतिक दल एक दूसरे पर सच्चे झूठे आरोप प्रत्यारोप लगाने पर उतारू रहते हैं। मीडिया चुनावी घमासान में इस कदर मशगूल होता है कि और सारे मुद्दे धरे रह जाते हैं। चुनाव कहीं भी हो मीडिया का खटराग पूरे देश को जगाए रखता है। अपने –अपने पक्ष में सत्य रचने की कवायद देख–देख जनता बुरी तरह थकती जा रही है। पार्टियों की बढती प्रतिद्वंदिता के चलते प्रत्याशियों और समर्थकों के बीच खतरनाक हद तक पहुँच जाते हैं। अपनी बढत के लिए कुछ भी करने पर लोग आमादा रहते हैं। लगातार बजती चुनावी घंटी बजते सुन आम आदमी की मुश्किलें कई तरह से बढ़ती हैं। थकान के बीच उसकी बढ़ती चुनावी उदासीनता प्रजातंत्र के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होगी। लोक सभा और प्रदेश की विधान सभाओं के चुनावों के अलग–अलग आयोजित होने का एक अनपेक्षित किन्तु देश के लिए निश्चित रूप से एक अहितकर परिणाम यह होता है कि स्थानीय मुद्दों और समग्र देश के लिए सोचने के बारे में अस्पष्टता रहती है। अत: राजनैतिक दलों को इस विकल्प पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए कि देश में लोकसभा और प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं।

इससे राजनीति में जन भागीदारी बढ़ेगी, चुनावी खर्च भी कम होगा और प्रशासनिक तंत्र के लिए भी सुविधा होगी। यह चुनावी बेहद सुधार जरूरी है। राजनीति में शुचिता लाए बिना देश की तरक्की को गति नहीं मिल सकती न ही जन कल्याण का वह स्वप्न ही पूरा हो सकेगा। भारत का संविधान एक अद्भुत राष्ट्रीय दस्तावेज है जो अपनी विशालता और आन्तरिक संगठनात्मक परिपक्वता की दृष्टि से अन्य देशों के संविधानों की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित माना जाता है। यह संविधान सरकार को संचालित करने और देशवासियों को नागरिक की हैसियत से आचरण करने के लिए मुख्य नियामक के लिए नियामक है। इसके साथ चलते हुए देश ने अब तक सात दशकों की लम्बी यात्रा पूरी की है। उल्लेखनीय है कि देश की परिस्थितियों के लिए अनुकूल व्यवस्था बनाने के लिए संविधान में पिछले सात दशकों में अब तक सौ से ज्यादे संशोधन हो चुके हैं। बदलत्ती स्थितियों में नियम कानून में भी बदलाव जरूरी हो जाता है। मानवीय गरिमा , समानता और स्वतंत्रता के लक्ष्य पाने के लिए नैतिक सोच जरूरी है।

एक प्रखर राष्ट्रवादी कवि जिनके स्वर में थी जनसत्ता की हुंकार

अरूण कबीर

ज"य हो जग में जले जहां भी
नमन पुनीत अनल को,
जिस तन में भी बसे,
हमारा नमन, तेज को, बल को।।"

इस यशोगान से जाति–गोत्र से इतर तेजोमय संस्कार और प्रज्जवलित अग्नि सम प्रकाश पूँज को नमन करने वाले युगद्रष्टा और राष्ट्रवादी कवि जिनके अन्तस में प्रेम, सौन्दर्य, श्रृंगार, काम– अध्यात्म, पुरूष और प्रकृति की अवधारणा एक साथ समावेशित हों, उस युगान्तकारी पुरूष " दिनकर" जी की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

एक प्रखर राष्ट्रवादी कवि जिनके स्वर में जनसत्ता की हुंकार, जनवाद की उभार, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनशक्ति की ऐसी धमक सुनायी पड़ती है जिसके सामने एकबारगी फ्रांसीसी राज्य क्रांति की हनक भी फीकी पड़ती दिखाई देती है। जरा देखिए तो,

"सदियों की ठंडी आग सुगबुगा उठी
मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाता है
दो राह , समय के रथ का घर्घर नाथ सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।"

और सनद रहे कि इसी नाद को हुँकार बनाकर लोकनायक ने एक समय देश की सत्ता को चुनौती देते हुए " सम्पूर्ण क्रांति " का सिंहनाद किया और देश में एक नयी व्यवस्था का जन्म हुआ। सत्ता चाहे किसी की हो पर जब निर?कुश हो जाती है और उसके लोकतांत्रिक मूल्य और मोल दोनो खत्म हो जाते है तो कलम भिन्न भिन्न रूपों में विरोध के स्वरों का सृजन करती है।जब देश उन शहीदों की शहादत का मोल नहीअदा करता है तब एक रचनाकार अपनी रचनाओं से उनके यशोगान करता है,

" जला अस्थियाँ बारी बारी
चिटकाई जिनमें चिंगारी
जो चढ़ गए पूण्य वेदी पर
लिए बिना गर्दन का मोल,
कलम, आज उनकी जय बोल।।

मानवतावाद और मानवीय संवेदनाओं के स्वर उनकी लेखनी में उतनी ही प्रबलता और उद्दात्त रूप मे दिखाई पड़ता है।जो आजादी भूखे को रोटी, प्यासे को पानी , नंगे को वस्त्र और आश्रय देने मे नाकाम हो, वह आजादी बेमानी है।

दिनकर जी कहते हैं ,

"आजादी रोटी नहीं
मगर दोनों में वैर नहीं
पर कहीं भूख बेताब हुयी
तो आजादी की खैर नहीं।"

चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण में ईर्ष्या और निन्दा की क्या भूमिका होती है, कहते है, " ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निन्दा है, जो व्यक्ति ईर्ष्यालु है , बुरे किस्म का निन्दक भी होता है। मनुष्य दूसरों की निन्दा करके कभी बड़ा नहीं हो सकता है,बड़ा तो वह तभी हो सकता है जब वह अपने व्यक्तित्व और चरित्र को निर्मल बनाए और अपने गुणों का विकास करे।" कितनी बड़ी बात है जो दर्शन नहीं व्यवहार है।व्यक्तित्व निर्माण और संवर्धन का मूल मंत्र है परनिन्दा से बचते हुए स्वयं को

राष्ट्रकवि दिनकर जी की जयंती (116वीं) पर विशेष स्मरण

अनवरत क्षरण और कुंठा से बचाना है। परनिन्दा हमारी ही क्षमताओं का राहू–केतू होता है। मानवोचित सहजता और सरलता जितनी सुग्रा' होती है कि उसे समझने के लिए बड़े ज्ञान और विद्वत्ता की जरूरत नहीं होती है बल्कि एक सरल हृदय और भाव की जरूरत होती है। एक विद्वान चिन्तन मनन करता रहता है तब तक एक सरल हृदय उसे पढ़ लेता है। कविवर दिनकर एक युगान्तकारी कवि हैं जिन्होंने काव्यशिल्प और काव्य विधा में हिन्दी साहित्य को एक नयी दिशा और दशा देने का काम किया है। छायावाद का उतार काल था और देश को एक नयी चेतना की ज़रूरत थी। ऐसे कालखंड में दिनकर जी ने वीर रस, उद्दात्त राष्ट्रवाद, लोकतांत्रिक व्यवस्था और मानवीय मूल्यों के साथ साथ सत्ता की निरंकुशता को भी ललकारा है। प्रेम, सौन्दर्य और श्रृंगार की रहस्यमयी आभा से अपनी रचनाओं को आभासित कर हिन्दी काव्य के संसार मे एक नए युग का सूत्रपात किया। जरा उनके ओज को सुनिए,

"सुनूं क्या ; सिन्धु गर्जन तुम्हारा,
स्वयं युग का हुंकार हूं मै।"

ये पंडित नेहरू के बड़े प्रशंसकों मे से थे पर नेहरू जी की पंचशील की विफलता ने इन्हें भीतर से उद्वेलित कर दिया। भारत की शर्मनाक हार ये पचा नहीं पा रहे थे। "परशुरा की प्रतीक्षा " में कहते है कि " वीरता जहाँ नहीं वहाँ पूण्य का क्षय है, वीरता जहाँ पर नहीं स्वार्थ की जय है, तलवार पूण्य की सार, धार पालता है, लालच पर अंकुश का लोभ सालता है, अग्नि छोड़ भीरू बना धर्म जहाँ सोता है, पातप प्रचंडतम वहीं प्रकट होता है।"

आज किसी का साहस नहीं होता है कि हिन्दु और हिन्दुत्व की सही व्याख्या कर लोगों को अवगत करावे, पर वह इसकी स्पष्ट व्याख्या करते हुए कहते है कि, "उत्तर – दक्षिण, पूर्व–पश्चिम देश मे जितने भी हिन्दु बसते है उनकी संस्कृति एक है और भारत की पृत्येक क्षेत्रीय विशेषता हमारी सांस्कृतिक विरासत की ही विशेषता है। हमारा धर्म पंडितों का नहीं, संतों और द्रष्टाओं की रचना है। हिन्दुत्व का मूलाधार विद्या और अज्ञान नहीं है, सीधी अनुभूति है," अर्थात अन्तस का प्रत्यक्षीकरण प्रत्यक्ष होता है और अनुभूति भी प्रत्यक्ष होती हैं और यहाँ हिन्दु का अर्थ भारत और भारतीयता है, भारतीय संस्कार है। हम भारतीयों के पंथ, विचार, सामाजिक और अन्य मान्यताएँ अलग अलग हो सकती है परन्तु भारतीयता तो एक ही है। परिपक्व मनुष्य जाति भेद से उपर उठ जाता है। हिंसा उन्हें कभी भी ग्रा' नहीं है पर वैसी अहिंसा जिस पर हिंसा भी मुस्कुराए, वह अहिंसा उन्हें कभी ग्रा' नही है। अहिंसा की पूण्य भावना वही सुरक्षित रह सकती है जहाँ उसके पीछे शक्ति और सामर्थ्य का का अग्नि पूँज और खड्ग शक्ति हो। चीन से एक शर्मनाक हार के बाद वे कह उठते है कि,

"तांडव तेज फिर से पुकार उठा है
लोहित में जो था कुठार उठा है।"

परशुराम जी ने मातृहंता के पाप मुक्ति के लिए अपने कुठार को लोहित कुण्ड मे फेंक दिया था और इसी कुठार से उन्होने पृथ्वी को इक्कीस बार क्षत्रिय विहीन किया था, अब उसी कुठार का आ''ान करते है कि आततायियों का नाश फिर से किया जा सके। वे युधिष्ठिर को स्वर्ग जाने से नहीं रोकते पर अर्जुन– भीम को वापस लौटाने की बात करते हैं । वे अहिंसा और क्षमा को परिभाषित करते हुए कहते है,

"क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या जो दंतहीन, विषहीन,
विनीत, सरल हो।"

इतिहास के प्राध्यापक रहे हैं, भारतीय इतिहास बोध से समावेशित हैं, इसलिए एक समर्थ भारत और अखंड भारत की बात करते है, भारतीयता की बात करते हैं।

उनकी बहुमुखी रचनात्मक प्रतिभा "भारतीय संस्कृति के चार अध्याय" में निखर कर सामने आती है जो प्रौढ़ गद्द की अद्भुत कृति है, जिसका मूल भाव यह है कि भारत एक जीवन्त राष्ट्र है जिसके प्राण वायु में अनेक सभ्यताएँ, संस्कृतियाँ, धर्म, जाति, दर्शन और चिंतन समावेशित हैं और कोई इस पर एकाधिकार का दावा नहीं कर सकता है। इसका निर्माण एक सामासिक भाव और बोध है।

इनकी सारी रचनाएं अपने आप मे एक विचार और दर्शन है पर "परशुराम की प्रतीक्षा", रश्मिरथी" और "उर्वशी" कुछ अपने में विशेष है। उर्वशी को महाकाव्य की संज्ञा दी गयी है जिसमें एक साथ प्रेम, सौन्दर्य और श्रृंगार,पुरूष और प्रकृति और उनकी रचनाधर्मिता, स्त्री और पुरूष के लौकिक भोग और अध्यात्मिक मूल्यों के अद्भुत चित्रण मिलते हैं। अब जहां रश्मिरथी का सवाल हैं, इसके दो पक्ष हैं, एक तो महाभारत के एक महान पात्र के उत्कर्ष, त्याग और मैत्री भाव को दिखाया गया है वही जीवन संघर्षो के तिमिर तोम को मिटा कर विजय मार्ग को प्रशस्त करने की अद्भुत प्रेरणा दी गयी है। वे कहते है,

"सच है विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
शूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते
विघ्नों को गले लगाते है
काँटो में राह बनाते हैं ।
खम ठोक ठेलता है जब नर,
पर्वत के जाते पाँव उखड़।।"

विभिन्न कालखंडों में अलग–अलग युगधर्म होते हैं, सम्प्रति देश को इसी युगधर्म को पालन करने की ज़रूरत है कि फिर भारत की भान – मर्यादा पददलित न हो। एक बार फिर उन विभूति को शत शत नमन।

हमारी विनाश सामग्री हमारी ही जेब में?

तनवीर जाफरी

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आई जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निर्माता कम्पनी मानी जाने वाली 'नोकिया' को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने BL-5C मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर ज़िले के तिरुविल्वमला में, राजस्थान के बांसवाड़ा ज़िले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फरुर्खाबाद में, आंधप्रदेश के प्रकाशम ज़िले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं।

इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लांचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59,900 रुपये था।

परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के

विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हज़ार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का ज़िम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले अफ –924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित BAC कंसल्टिंग KFT ने किया था। जो कि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही ज़िम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया?

पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्ज़ी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी–टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्राईल को तब मिली जब हिज़्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज़्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज़्बुल्लाह इस्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा?

इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है? याद कीजिये इस्राईली साइबर–आर्म्स कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा विकसित पैगसेस जैसा खतरनाक स्पाइवेयर जिसे आईओएस और एंड्रॉइड चलाने वाले मोबाइल फोन पर गुप्त रूप से और दूर से इंस्टॉल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पैगसेस स्पाइवेयर ने कुछ समय पूर्व भारत में भी तहलका मचा दिया था। ऐसे में यह सवाल उठना लाज़मी है कि क्या सायबर तकनीक व इलेक्ट्रानिक उपकरण का इस्तेमाल करने वाले लोगों की जान,उनकी गोपनीयता यहाँ तक कि उनके व्यवसाय उनकी जमापूंजी सब कुछ खतरे में आ चुकी है? इस बात की क्या गारंटी है कि इसी तकनीक का दुरूपयोग कर या हैकिंग के द्वारा भविष्य में इसका इस्तेमाल किसी विमान में या जलपोत में नहीं होगा? आज जब लगभग पूरी दुनिया की लोकेशन सार्वजनिक हो चुकी है ऐसे में किसी के द्वारा किसी को भी निशाना बनाना असंभव नहीं रहा। मोसाद जैसी मानवता की दुश्मन कोई भी कपटी एजेंसी लेबनान में अपनाये गये तरीके से तो कहीं भी तबाही मचा सकती है। तो क्या आधुनिक विज्ञान के वर्तमान दौर में हम अपने विनाश की सामग्री अपनी ही जेब में लिये फिर रहे हैं?

इजराइल ने हिजबुल्लाह को तकनीक से चित किया!

मनोज कुमार अग्रवाल

इजराइल ने हिज्बुलला के कम्युनिकेशन सिस्टम में घुसपैठ कर तबाही मचा दी है. मंगलवार और बुधवार को हजारों पेजर्स और वॉकी–टॉकी में धमाके हुए, इनमें करीब 37 लोगों की मौत हो गई वहीं 3 हजारी से ज्यादा लोग घायल हो गए. माना जा रहा है कि मरने वालों और घायलों में ज्यादातर हिजबुल्लाह के लड़ाके शामिल हैं.इस पूरे मामले में सबसे हैरान वाली बात ये है कि जिन देशों से हिजबुल्लाह ने पेजर्स और वॉकी–टॉकी खरीदे थे, उन्हें भी इजराइल के इस प्लान की भनक तक नहीं लगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक जिन पेजर्स में धमाके हुए उन पर ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी का नाम था तो वहीं वॉकी–टॉकी जापान की आइकॉम निर्मित थे.लेकिन इन दोनों ही देशों की कंपनियों की ओर से जो बयान सामने आए हैं वो दिखाते हैं कि इजराइल ने इस प्लान को कितनी चतुरता से एक्जीक्यूट किया है. एक ओर ताइवान की कंपनी ने गेंद हंगरी की कंपनी के पाले में डाल दिया है तो वहीं दूसरी ओर जापान की कंपनी का कहना है कि उसने इन पेजर्स का निर्माण करना एक दशक पहले ही बंद कर दिया था.ताइवान की गोल्ड अपोलो कंपनी के फाउंडर और प्रेसीडेंट से गुरुवार को पेजर ब्लास्ट को लेकर पूछताछ हुई. कंपनी के प्रेसीडेंट शू चिंग क्वांग का कहना है कि जिन पेजर्स में धमाके हुए उनका निर्माण उनकी कंपनी ने नहीं बल्कि हंगरी के बुडापेस्ट की कंपनी बीएसई ने किया है, जिसके पास गोल्ड अपोलो के नाम का इस्तेमाल करने का लाइसेंस है. शू के अलावा अपोलो सिस्टम लिमिटेड नामक कंपनी की एक कर्मचारी टेरेसा वु भी जांच में शामिल हुई. जिनके बारे में कुछ दिनों पहले गोल्ड अपोलो कंपनी के फाउंडर ने बताया था कि कंपनी की ओर से डील में टेरेसा ही उनके संपर्क में थी। ताइवान सरकार लेबनान में हुए पेजर धमाकों की जांच कर रही है, क्योंकि यह अब तक साफ नहीं हो पाया है कि आखिर लेबनान में जो पेजर पहुंचे उनमें विस्फोटक कब, कहां, कैसे और किसने लगाए. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने जब ताइवान सरकार के जांच अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं दिया गया. वहीं ताइवान सरकार ने अब तक अपनी जांच को लेकर भी कोई बयान जारी नहीं किया है।

इस मामले में ताइवान जैसा ही हाल जापान का है. लेबनान में जिन वॉकी–टॉकी में धमाके हुए उनमें जापानी कंपनी आइकॉम का नाम प्रिंट था. ये वॉकी–टॉकी कउ–श्82 मॉडल के थे, लेकिन यहां भी गौर करने वाली बात ये हैं कि जापान की कंपनी आइकॉम ने कहा है कि उसने इनका निर्माण करीब एक दशक पहले ही बंद कर दिया था. कंपनी का कहना है कि वह इस मामले की जांच कर रही है.आइकॉम के मुताबिक उसने इन नकली निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की थी और साल 2020 से ही वह नकली मॉडल के

ट्रांसीवर्स के बारे में चेतावनी दे रहा था. आइकॉम के मुताबिक इसके कई इलेक्ट्रॉनिक गियर पब्लिक सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन और सयुंक्त राज्य डिफेंस और मरीन कॉर्प विभाग को सप्लाई किए हैं।

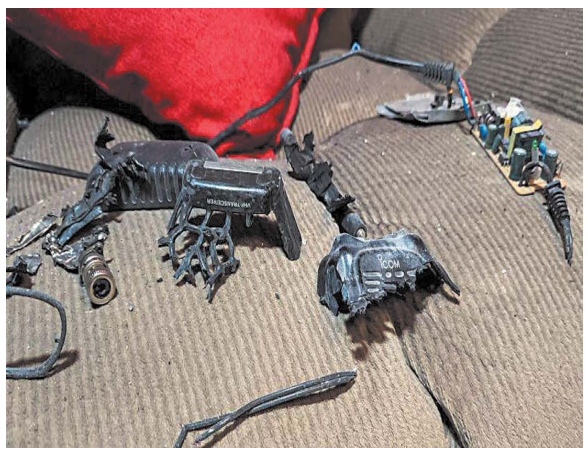

आपको बता दें कि मंगलवार को लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने लेबनान सीरिया को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यह नई तकनीक का युद्ध है जो पहली बार प्रयोग किया गया है। दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इसराइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की श्रृंखला में लेबनान में अब तक 37लोगों के मरने व करीब पांच हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल–हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में बिल्कुल नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा चक्र की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इसराइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई शहरों में एक एक करके फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए। बहरहाल, लेबनान व सीरिया में सीरीयल पेजर धमाकों से पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने आज के युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्त्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इसराइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इसराइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। इसराइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है।

लेबनान में मंगलवार और बुधवार को हुए पेजर और वॉकी टॉकी धमाकों में हैरान करने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं. जहां एक ओर ताइवान की गोल्ड अपोलो ने पेजर्स निर्माण के लिए हंगरी की एक कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है तो वहीं जापान की टेलीकम्युनिकेशन निर्माता कंपनी आइकॉम का कहना है कि उसने एक दशक पहले ही उन वॉकी–टॉकी का निर्माण बंद कर दिया था जिनमें ब्लास्ट हुए हैं। लेबनान ने अपने दुश्मनों को ऐसा शिकस्त दी है कि उन्होंने हिजबुलला के संचार सिस्टम को तबाह कर दिया है। इधर इजराइल की केबिनेट ने हिजबुलला के खिलाफ आल आउट वार की मंजूरी दे दी है। दुनिया तीसरे वर्ल्ड वार के मुहाने पर पहुंच रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक , दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

- **राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024**
- **से संबंधित कार्य 10 अक्टूबर तक करवाये जायेंगे पूर्ण**

चमकता राजस्थान

जयपुर,(खलील कुरैशी) 22 सितम्बर! स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में रविवार को जेडीए के मंथन सभागार में जविप्रा के समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें समस्त प्रकोष्ठों द्वारा पीपीटी के माध्यम सेअपने-अपने प्रकोष्ठों का प्रेजेंटेशन दिया गया। बैठक में जेडीए सचिव डॉ. निशांत जैन, समस्तनिदेशकगण, समस्त अतिरिक्त आयुक्तगण, मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक, समस्त उपायुक्त उपस्थित थे। अन्य संबंधित अधिकारी ऑनलाईन बैठक में जुडे। बैठक में बताया गया कि जविप्रा को 50 प्रतिशत से अधिक राजस्व नीलामी के माध्यम से प्राप्त हो रहा है। जोन कार्यालयों से नीलामी के प्रस्ताव अपेक्षित है, जिससे जविप्रा की आय में वृद्धि हो सकेगी। जेडीसी द्वारा सेक्टर व्यावसायिक भूखण्डों, मुख्यतः जोन-09, 10 व 11, रिंग रोड परियोजना में नीलामी हेतु उपलब्ध भूखण्डों का चिन्हिकरण किया जाकर नीलामी में रखे जाने के निर्देश दिये। जोन-10 में गोविंदपुरा योजना, जोन-11 स्थित चिरोंता में वेयर हाउस योजना, जोन-12 स्थित जयरामपुरा में ईको-फ्रेंडली फार्म हाउस स्कीम (292 भूखण्ड) स्कीम, नाहरी का बास, जोन-14 स्थित कैलाशपुरा में खोखावास में नई स्कीम लांच करने के निर्देश दिये। लाईट्स प्रकरणों (कोर्ट कैसेज) का निस्तारण त्वरित गति से करने एवं इससे संबंधित प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग कर पेन्डेन्सी शून्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कोर्ट में लंबित प्रकरणों की पैरवी कर रहे अधिवक्ताओं को संबंधित प्रकरण के बारे में सुनवाई से पूर्व विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने

हेतु संबंधित प्रकोष्ठ के ओआईसी को निर्देश दिए, जिससे निर्णय जेडीए के पक्ष में पारित हो। इसके पश्चात कोर्ट निर्णय उपरांत तत्काल प्रभाव से यथा अनुकूल कानूनी कार्यवाही करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि नियमों/आदेशों की जानकारी से पूर्णतया अवगत होने के पश्चात ही अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पत्रावलियों पर टिप्पणी अंकित की जाये। जेडीसी ने जोन लिपिक स्तर पर पत्रावलियां अनावश्यक रूप से एक - दूसरे को प्रेषित की जाती रहती है, इस प्रवृति को रोके जाने के निर्देश दिये। उन्होंने समस्त उपायुक्तों को अपने अधीनस्थ स्टाफ से अतिरिक्त प्रयास करते हुए उच्च कुशलता के साथ कार्य करवाने के निर्देश दिये। बैठक में आयोजना शाखा के अधिकारियों को बीपीसी एलपी/बीपी से संबंधित समस्त लंबित प्रकरणों का निस्तारण आगामी आयोजित होने वाली बैठक से पूर्व निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। इस संबंध में संबंधित आवेदको से आवश्यक पत्राचार करने के भी निर्देश दिये, जिससे प्रकरण शीघ्र निस्तारित किये जा सकेंगे। जोन में सहायक नगर नियोजकों द्वारा मास्टर प्लान में पत्रावलियां अनावश्यक रूप से प्रेषित नहीं की जायेंगी। किसी प्रकार के मार्गदर्शन वांछित होने पर मास्टर प्लान में स्वयं जाकर मार्गदर्शन प्राप्त कर पत्रावली का नियमानुसार तत्काल रूप से निस्तारण किया जाये। इस क्रम में जेडीसी द्वारा निदेशक आयोजना को आदेश जारी करने के निर्देश दिये गये।जेडीसीद्वारानिदेशकअभियांत्रिकी को शहर में चल रहे मुख्य प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता तय करते हुए एक्शन प्लान बनाने हेतु निर्देश दिये गये।

इसके अतिरिक्त राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 से संबंधित कार्य को त्वरित गति एवं गुणवात्तापूर्वक प्राथमिकता से करने के निर्देशण। सभी जोन उपायुक्तों को अपने-अपने जोन में लैण्ड बैंक की सूचना 30 सितम्बर, 2024 तक भिजवाने के निर्देश दिये। जोन उपायुक्त इस हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त हैं एवं उनके द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 से संबंधित मुख्यालय से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही करवाने के निर्देश दिये। बैठक में वर्ष 2023-2024 में 10 हजार वर्गमीटर से अधिक भूमि रूपान्तरण एवं 5 हजार वर्गमीटर से अधिक भूमि आवंटन के प्रकरणों की सूची तैयार करने के निर्देश दिये गये। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 की वेबसाइट पर लैण्ड बैंक से संबंधित सूचना 30 सितम्बर, 2024 तक अपलोड करने के निर्देश दिये। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 से संबंधित स्थानों/भूमियों का जोन उपायुक्तों द्वारा भ्रमण कर आवश्यक सुधारीकरण/सौंदर्यीकरण कार्य हेतु संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर कार्य करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बताया गया कि एमआई रोड की मिसिंग रेलिंग एवं कर्व स्टोन की मरम्मत करवाने, अपेक्स सर्किल से जेएलएन मार्ग पर मीडियन में पेड लगवाने, दिल्ली रोड से ट्रांसपोर्ट नगर तक रोड पेच वर्क एवं साफ-सफाई करवाने, विभिन्न आवश्यक स्थानों पर लाईट्निग, फुटपाथ-मीडियन मरम्तीकरण/सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई करवाना, पेड लगवाने/ग्रूमिंग, विद्युतीकरण कार्य, जैसे इत्यादि कार्य करवाने के निर्देश दिये। महल रोड से टोंक रोड के मध्य अवैध पार्किंग हटवाने, कंस्ट्रक्शन मलबे को हटवाना, अवैध थडियों को हटवाना, अन्य अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाना, पोल्स पर लगे हुए गमलों को ठीक करवाया जाना प्रस्तावित है। अजमेर रोड पर करीब 40 किमी में कर्व स्टोन, रेलिंग, मीडियन, फुटपाथ इत्यादि का मरम्तीकरण/सौंदर्यीकरण करवाया जाना अपेक्षित है। बैठक में बताया गया कि उद्यानिकी शाखा द्वारा शहर में सौंदर्यीकरण हेतु 10 हजार पौंधे लगाये जा रहे है। बैठक में जेडीसी ने संबंधित समस्त अधिकारियों को उक्त समस्त कार्यो को 10 अक्टूबर, 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। सभी जोन उपायुक्तो को निर्देश दिये गये कि अपने-अपने जोन में होने वाले समस्त कार्यो की मॉनिटरिंग करें, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आपके जोन में हो रहे कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण रूप से हो रहे है। बैठक में प्रवर्तन शाखा द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यो का प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जेडीसी द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटवाने के पश्चात फैंसिंग करवाने एवं पेड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने रोपाडा फार्म हाउस योजना के लगभग 15 भूखण्डों से अतिक्रमण तत्काल हटवाने, जोन-10 में अवैध खनन को रोकने, 50 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर नीलामी में रखने, झोटवाडा आरओबी की सर्विस रोड में आ रहे अतिक्रमणों को हटवाकर सडक बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने डीटीएस/सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणो को गुणात्मक रूप से निस्तारित करने एवं 30 दिवस से पूर्व लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्ताकरण करने के निर्देश दिये। नागरिक सेवा केंद्र में समस्त प्रकार के दर्ज ऑनलाईन प्रकरणों की पेडेंसी शून्य करने के निर्देश दिये गये।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में सामाजिक अंकेक्षण दल की मीटिंग आयोजित,विकास के कामों की दी जानकारी

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक श्रीनगर। नसीराबाद/श्रीनगर ग्राम पंचायत में सामाजिक अंकेक्षण दल ने सत्र 2023-24 में किए गए विकास कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया। बैठक में मनरेगा योजना ,15 वित्त आयोग ,स्वच्छ भारत मिशन तहत व्यक्तिगत शौचालय ,एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्मित मकानो का वर्ष 2023 का सामाजिक अंकेक्षण किया गया।इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी रामदेव लखारा वह ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मुकेश काकानी श्रीनगर सरपंच दिलीप राठी, जट इंद्रजीत प्रजापत , ग्राम विकास अधिकारी सुनीता शर्मा कनिष्ठ लिपिक जगदीश गुर्जरउपस्थित रहे। कनिष्ठ लिपि की जगदीश गुर्जर ने बताया कि एफसी मध्य से कस्बे में विनायक कापलेक्स से बस स्टैंड तक मुख्य सड़क के दोनों और 10 फीट सीसी ब्लॉक , 15 वे वित्त आयोग के तहत 10 लाख की लागत से इंदिरा स्कूल के पास नाला निर्माण, बस स्टैंड से बालाजी मंदिर तक एसएफसी मद में 10 लाख की लागत से मुख्य सड़क के दोनों और 10 फीट का सीसी ब्लॉक , 15वें वित्त आयोग के तहत बिरदी चंद के घर से जाटोलिया की दुकान तक 5 लाख की लागत से नाली निर्माण, विकास कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया गया ।इस अवसर पर आयोजित बैठक में ग्राम विकास अधिकारी सुनीता शर्मा द्वारा विकास कार्यों के बारे और जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर उपसरपंच सुनील प्रजापत सहित, वार्ड पंच व ग्रामवासी उपस्थित थे।

भारत के संविधान पर आधारित पुस्तक 'हम भारत के लोग' का किया विमोचन

चमकता राजस्थान। जयपुर संवाददाता। भारत के संविधान पर आधारित पुस्तक हम भारत के लोग का जोबनेर कस्बे के निवासी लेखक-पत्रकार व भारत अपडेट के संपादक बाबूलाल नागा द्वारा संपादित व भारत अपडेट की ओर से प्रकाशित पुस्तक ₹ हम भारत के लोग₹ का विमोचन जयपुर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में किया गया। भेदभाव-छुआछूत मुक्त राजस्थान अभियान की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में पुस्तक विमोचन राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए महिला, दलित, आदिवासी, घुमंतू, अल्पसंखक, ट्रांसजेंडर और दिव्यांगजन समुदाय के हाथों किया गया संपादक बाबूलाल नागा ने बताया कि भारत अपडेट की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण ताकत उसका पाठक वर्ग है। भारत अपडेट ने नागरिकों को भारतीय संविधान के नियमों, कानूनों, कर्तव्यों, मूल्यों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई है। भारत अपडेट ने नागरिकों के हित को सर्वोपरि रखते हुए ₹हम भारत के लोग₹ पुस्तक का प्रकाशन किया है।

सद्भावना दिवस के रूप में राजीव अरोड़ा ने मनाया अपना 68वां जन्मदिन

चमकता राजस्थान

जयपुर, 22 सितंबर। आरटीडी व राजसिको के पूर्व चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने सद्भावना दिवस और ऑर्गन डोनेशन अभियान संकल्प के साथ रविवार को अपना 68वां जन्मदिन मनाया। परस्पर सद्भावना के संदेश को समर्पित समाजसेवी संस्थान सद्भावना के सिपाही संगठन का यह सद्भावना स्नेह मिलन कार्यक्रम रहा। सी-स्कीम स्थित अपने निवास पर एक सादा समारोह में कांग्रेस सरकार के पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने कहा कि ऑर्गन डोनेशन से एक जिन्दगी रोशन होती है। उसके परिवार में मुस्कान लाती है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 25 वर्षो से सद्भावना के सिपाही के तौर पर कार्य करते हुए गौरव का अनुभव कर रहे हैं। समाज के जरूरतमंद लोगों को हर संभव मदद का प्रयास करने में समर्पित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और शुभ चिंतकों से अंगदान के

आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया। वर्तमान में राजीव अरोड़ा राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के पूर्व चेयरमैन, जयपुर सिटीजन फोरम के चेयरमैन और यूनीराज एल्युमिनी फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत मोती डूंगरी गणेश मंदिर से शुरू हुई। समापन पर शहर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में आचार्य खगोल कृष्ण शास्त्री की भागवत कथा के कार्यक्रम में महा आरती में सम्मानित किया गया। कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा, पूर्व मंत्री महेश जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव डीबी गुप्ता, महंत कैलाश शर्मा, पूर्व न्यायधीश एनके जैन, पूर्व राज्यमंत्री महेश शर्मा समेत बॉलीवुड कलाकार जोजो ने भी राजीव अरोड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। देश-दुनिया के मशहूर फनकार ग्रेमी अवॉर्ड विनर मोहनवीणा वादक पं.विश्वमोहन भट्ट और फर्स्ट इंडिया न्यूज चैनल के हैड जगदीश कातिल ने जन्मदिन का बधाई संदेश प्रेषित किया। राजस्थान चैंबर कॉमर्स के डॉ. केएल जैन, शहर कांग्रेस मुखिया आरआर तिवाड़ी, खानू खान बुधवाली, गिरिराज गर्ग, वैश्य महासम्मेलन के शहर के नामी बिल्डर गोपाल गुप्ता, जेडी माहेश्वरी, पवन गोयल, शिक्षा जगत के यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी राजीव जैन, महारानी कॉलेज प्रिंसिपल निमाली सिंह कई सेवारत एवं सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों ने राजीव अरोड़ा को बधाई देते हुए सद्भावना को आदिकाल से लेकर आज के आर्टिफिसिल इंटेलिजेंस के युग तक जरूरी तत्व बताया। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ राजनेता, कार्यकर्ता, शहर के कई गणमान्य लोग समेत प्रदेशभर से विभिन्न क्षेत्रों की कई नामी हस्तियां मौजूद रहीं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमार ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों को तत्काल दुरुस्त करने के दिए निर्देश

- **एसडीआरएफ़ से 14 जिलों के लिए 107 करोड़ रुपए स्वीकृत**

चमकता राजस्थान। जयपुर,22 सितंबर। प्रदेश के 14 ज़िलों में अत्यधिक वर्षा एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों ,पुलों एवं अन्य भवनों की मरम्मत के लिए एसडीआरएफ़ से 107 करोड़ की स्वीकृति जारी की गयी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करवाकर सड़को, बाँधो,नहरों,भवनों एवं पुलों को सुचारु करने तथा आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया की प्रदेश में अत्यधिक वर्षा /बाढ़ से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की तात्कालिक मरम्मत एवं पुनरुत्थान हेतु यह स्वीकृति जारी की गई है। गोरतलब है कि 14 ज़िलों में 5618 कार्यों के लिए 107 करोड़ 36 लाख रुपय की स्वीकृति जारी की गई है।

इस राशि से टोंक, नागौर ,डूंगरपुर, दौसा , सवाईमाधोपुर, सिरोही, जैसलमेर, बाड़मेर, जयपुर , झुंझुनू , प्रतापगढ़, कोटा, अलवर और बूँदी में सड़क पुल, बाँध, नहर तथा भवन आदि सरकारी परिसंपत्तियों की मरम्मत की जाएगी।

देश भर में ज्ञापन सौंपेगा विप्र फाउंडेशन

तिरुपति प्रसादम घटना सनातनी आस्था पर चोट

मंदिरों की पवित्रता के लिए सनातन संरक्षण बोर्ड की मांग

चमकता राजस्थान

अलवर। तिरूपति प्रसादम् की घटना को गहरी साजिश के तहत सनातनी आस्था पर चोट बताते हुए ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय संगठन विप्र फाउंडेशन ने केंद्रीय स्तर पर सनातन संरक्षण बोर्ड बनाने की मांग की है।

संस्था के संस्थापक संयोजक सुशील ओझा ने कहा कि इस प्रकार के भीषण कुकर्मों को ऊपरी सतह से रोकने, राजनैतिक बयानबाजी करने की बजाय स्थायी समाधान ढूंढना चाहिए। ओझा विप्र फाउंडेशन अलवर की ओर से गोलाकावास भानगढ़ स्थित सरसा माता मंदिर प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके संगठन का दृढ़ मत है कि हमारे अधिग्रहित मंदिरों की संपूर्ण व्यवस्थाएं आस्थावान सनातन धर्मावलम्बियों द्वारा ही संचालित हों।

धर्मो रक्षति रक्षितः के ध्येय वाक्य को उद्धत करते हुए सुशील ओझा ने कहा कि केन्द्र सरकार सनातन संरक्षण बोर्ड बनाकर घोर अधर्म और विनाश से भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं सनातनी भावनाओं के संरक्षण की पहल करे। यह भारत और भारतीयों की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा विषय है जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। विप्र फाउंडेशन अपनी इस मांग को लेकर देशभर में ज्ञापन भी केंद्र सरकार के नाम सौंपेगा।

जिला अलवर का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न

इन विषय विशेषज्ञों का रहा संबोधन

प्रदेश महामंत्री गजेंद्र ज्ञानपुरिया ने बताया शिविर को विषय विशेषज्ञों में आईपीएस अनिल पालीवाल ने संस्कार और ब्राह्मणत्व पर अपने विचार व्यक्त किए, जबकि प्रशासनिक अधिकारी जीएल शर्मा ने सामाजिक समरसता पर बोलते हुए कहा कि जब तक अन्य समाजों को गले नहीं लगाए तब तक समरसता की बात बेमानी है। शर्मा ने धर्म का अर्थ समझाते हुए कहा कि कर्तव्य ही सही मायनों में धर्म है। धर्म के बिना जीवन ही नहीं । उन्होंने आचरण पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को राष्ट्र के गौरवशाली अतीत को भी जानकारी देनी चाहिए ताकि वे सुपात्र बन सके। उन्होंने जयपुर में बन रहे परशुराम शक्तिपीठ में सप्ताह में एक दिन काउंसलिंग टेबल के लिए समय देने की घोषणा भी की।

प्रत्येक जिले में अभ्यास वर्ग

» विप्र फाउंडेशन अलवर जिलाध्यक्ष पियूष पंडित ने बताया कि अलवर विप्र फाउंडेशन ने नवाचार करते हुए यह दो दिवसीय अभ्यास वर्ग का आयोजन रखा था। संस्था की शिक्षा, संस्कार, स्वावलंबन और स्वाभिमान के लिए इस तरह के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रत्येक जिले में आयोजित किए जाने की योजना है ताकि सामाजिक सरोकारों में संगठन की भागीदारी परिलक्षित हो सके।

इनकी रही सक्रिय भागीदारी

» समारोह को सफल बनाने में अलवर के प्रभारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष महंत धर्मेंद्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश अड़ीचवाल , जिला संगठन मंत्री देशबंधु शर्मा, जिला महामंत्री दौलत शर्मा, दीपक शर्मा, पुष्पराज शर्मा, मनोज बेडा, कुणाल शर्मा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुंदन शर्मा सहजपुर नंगली , चन्द्रपुनीत शर्मा, राजीव लोचन जैमन, गोपेश शर्मा, कुलदीप शर्मा,के के शर्मा, शंकर वशिष्ठ, व अलवर जिले के सभी ब्लाकों के ब्लाक अध्यक्ष व सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इनकी रही गरिमामय उपस्थिति

» इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र कुमार हर्ष, जोन 1 के प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल, संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, जोन डी के प्रदेश उपाध्यक्ष सियाराम शर्मा, सीकर जिला अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

अजमेर के विकास में कोई बाधा नहीं आएगी : देवनानी

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजयमेरु प्रेस क्लब में अजमेर के विकास के लिए किए गए कार्यो के साथ भविष्य का वीज़न साझा किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजयमेरु प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इसमें उन्होंने अजमेर के विकास में किए गए कार्यो के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं का खाका साझा किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय जारी संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत से अधिक कार्य आरम्भ हो गए है। तेलंगाना हाऊस का आंवटन निरस्त किया गया है। साइन्स पार्क को पुनः स्वीकृत करवाकर अपग्रेड करते हुए बी-2 श्रेणी के लिए शिलान्यास किया गया है।

उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र अन्तिम सिरे से पर होने के कारण पेयजल आपूर्त्ति की समस्या रही है। अब इसे टेल एण्ड से फ्रण्ट एण्ड का बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। यहां तीन रिजर्वायर बनाने के लिए 270 करोड. की राशि स्वीकृत हुई है। भूमि आंवटन भी किया गया है। बिसलपुर बांध से निर्भरता कम करने के लिए पहली बार फॉयसागर झील का पानी पेयजल के लिए उपलब्ध हुआ। यहां से 4.5 एमएलडी पानी लेने के लिए एक करोड़ की राशि उपलब्ध करवाई गई है। इसी प्रकार अजमेर शहर के पारम्परिक जल स्त्रोतों 22 बावडियों का चिन्हीकरण कर पानी फिल्टर प्लांट तक लाया जाएगा। बिसलपुर बांध से पानी की आवक बढ़ाने के लिए इण्टेक वेल भी बनाया जाएगा। इससे अजमेर को 7 टीएमसी तक पानी उपलब्ध होगा। ईआरसीपी परियोजना से फॉयसागर को जोड़ने से हमेशा पानी भरा रहेगा। जलदाय विभाग के पम्पिग स्टेशनों पर निर्बाध विद्युत आपूर्त्ति क लिए अतिरिक्त फिडर से जोड़ने के लिए भी पर्याप्त राशि स्वीकृत की गई है।

उन्होंने कहा कि अजमेर की पहचान शिक्षा नगरी के रूप में बनी रहनी चाहिए। इसके लिए भारतीय तकनीकी संस्थान की तर्ज पर आरआईटी के लिए महिला इंजिनियरिंग कॉलेज का चुनाव किया गया है। इसी प्रकार योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विश्वविद्यालय भी खुलेगा। इसके लिए भूमि आंवटन की प्रक्रिया जारी है। एम्म के स्तर की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्तमान टीबी अस्पताल भवन में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनाया जाएगा। कोटड़ा में भी सैटेलाईट चिकित्सालय बनेगा।

उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अजयसर में लेपर्ड सफारी विकसित की जाएगी। यहां तक सुगम पहूंच सुनिश्चित करने के लिए चामुण्डा माता मन्दिर तक रोपे वे बनाया जाएगा। म्यूजियम बनने से भी पर्यटन में वृद्धि होगी। यातायात को पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए 50 इलेक्ट्रीक बसें चलाई जाएगी। इसी प्रकार एथेलेटिक एकेडमी और स्पोर्ट्स कॉलेज आरम्भ होने से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। रोजगार बढ़ाने के लिए आईटी पार्क की स्थापना होगी। इसके लिए भूमि आंवटन किया जा चुका है। रोडवेज बस स्टेण्ड भी 40 करोड़ की लागत से नया बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास की गति अनवरत बनी रहेगी। पहले बजट में ही 1500 करोड़ से अधिक की सौगातें मिली है। भविष्य में ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड करने पर कार्य किया जाएगा। फॉयसागर के केचमेण्ट एरीया की सुरक्षा के लिए 5 करोड़ की राशि से दीवार बनाई जानी है। झील की गहराई नरेगा के माध्यम से बढ़ाई जाएगी। दरगाह कोरीडोर और हेलीपेड भी प्रस्तावित है। सुगम यातायात के लिए रिंगरोड बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। विधानसभा में नवाचार करते हुए डायरी नव संवत्सर से आरम्भ की गई। पत्रकारों के भी पास बनने लगे हैं। इससे पहले सभी पदाधिकारियों सहित क्लब के सदस्यों ने श्री देवनानी का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया । दिनेश भोजवानी ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ श्री देवनानी को विशाल माला पहनाई ।

पत्रकारों की मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अजयमेरू प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेन्द्र गुंजल ने पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने के लिए पत्रकारों का पक्ष रखा । पत्रकार बीमा योजना पुनः आरम्भ करने के साथ ही आरजेएचएस के माध्यम से लाभान्वित करने के बारे में भी कहा। पत्रकारों को आरक्षित दर पर भूखण्ड दिलाने के लिए कार्यवाही आगे बढ़ाने के लिए विचार रखे। अजयमेरु प्रेस क्लब भवन में सुविधाओं की वृद्धि की भी बात कही। इसी दौरान अध्यक्ष गुंजल ने श्री देवनानी को ज्ञापन भी सौंपा ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व महानगर संघचालक सुनील दत्त जैन, डॉ.रमेश अग्रवाल, नरेन्द्र चौहान, सत्यनारायण जाला, गुरजेन्द्र सिंह विर्दी, चंद्र प्रकाश कटारिया, हरीश वरयानी, अनुराग जैन, विजय कुमार हंसराजानी, शौकत अहमद, महेशचंद्र शर्मा , सोम रत्न आर्य, विक्रम सिंह बेदी , नानक भाटिया, राजेन्द्र कुमार गांधी, रशिका महर्षि, अनिल कुमार आईनाणी, कमल वरयानी, सुदेश चंद्र शर्मा, रजनीश रोहिल्ला, जगदीश मूलचंदानी , सूर्य प्रकाश गांधी, रामचन्द्र विजरानी, जॉनी भाषानी, अनिल लढ़ा, वचन सिंह रावत , मधुप माथुर, महेश विजरानी संतोष गुप्ता, अमर सिंह, प्रदीप टिक्यानी, संजय कुमार शर्मा, फरहाद सागर, अमर सिंह राठौड़, सुनीता जैन, दिनेश कुमार शर्मा, सैय्यद मोहम्मद सलीम, भगवान वरलानी, अरविन्द शुक्ला, बालमुकंद चौरसिया, नरेश बाघानी, चंद्रभान प्रजापति, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा, भान मुकेश परिहार, नरेश बाघानी, अनिल गुप्ता, नरेश चांदवानी, विजय पाराशर, डॉक्टर अशोक मित्तल, कृष्ण गोपाल पाराशर, गोविंदराम शर्मा, सहित अजयमेरु प्रेस क्लब सदस्यों की पत्नियों में आभा शुक्ला, मधु अग्रवाल, माया जाला, जसवीर कौर विर्दी, शिखा गुप्ता, मीना गुप्ता , श्वेता शबनम, भारती भोजवानी, डॉक्टर शशि मित्तल, सुधा शुक्ला, अनिता सोनी, रश्मि चौधरी , सुरेन्द्र बाला शर्मा , रानी चौधरी , विमला परिहार , ऋतु गर्ग , अन्नपूर्णा शर्मा भी उपस्थित रहीं कार्यक्रम का संचालन प्रताप सिंह सनकत ने किया । अंत में अरविन्द मोहन शर्मा ने आभार व्यक्त किया ।

संक्षिप्त समाचार

ठगी पीड़ितों ने किया जेल भरो आंदोलन धौलपुर

- जप - तप संगठन के द्वारा सैकड़ो लोगों ने दी गिरफ्तारी

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) आज दिनांकः-22 सितंबर 24 को जिला धौलपुर में ठगी पीड़ित परिवार तप - जप संगठन धौलपुर के द्वारा धौलपुर में जेल भरो आंदोलन किया! क्योंकि चिटफंड कंपनी जैसे परिवार डेयरी, सहारा इंडिया, पिन कौन, आदर्श क्रेडिट सोसाइटी, पीएसीएल, पीजीएफ, सहारा परिवार, आदि सैकड़ो चिटफंड कंपनियों के द्वारा की गई ठगी, एस कारण जेल भरो आंदोलन किया गया, इसमें लोगों की गिरफ्तारी की गई, सभी लोगों ने अपनी गिरफ्तारी दी! इस गिरफ्तारी में ठगी पीड़ित परिवार के जमा करता एवं अभिकर्ताओं ने भाग लिया, बाद में प्रशासन ने अपनी कार्यवाही करके सभी को छोड़ा दिया!!और आगे उच्च अधिकारियों तक ठगी पीड़ितों की रिपोर्ट भेजने का भरोसा दिलाया! क्योंकि यह लोग बहुत परेशान हैं, जेल - जाने से डर नहीं रहे है, इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष। विशाल कुशवाहा, उप तहसील अध्यक्ष कप्तान सिंह, सचिव कृष्ण कुमार, कोषाध्यक्ष तोताराम, संजीव कुमार, रामदास तरुण, भोगीराम, राकेश कुमार, कमला देवी, रतीराम, हुकम सिंह, रामनाथ, भगवान सिंह, सुरेश चंद, लगभग 100 लोगों ने भाग लिया! कलेक्ट्रेट परिसर पर सभी लोग ने इकट्ठा होकर नारेबाजी की अगर हमारी मांगों को ऊपर तक नहीं भेजा एवं नहीं माना तो आगे भी इस आंदोलन को सत्याग्रह धरना प्रदर्शन के प्रति अपनी जागरूकता बनाए रखेंगे, जब तक हमारी मांगों को पूरा होने तक आंदोलन करते रहेंगें, जब तक हमारा भुगतान नहीं होगा, तब - तक लगातार आंदोलन करते रहेंगे!

जेल भरो आंदोलन के माध्यम से खुला ज्ञापन, भुगतान करो या सता छोड़ो,

चमकता राजस्थान/अलवर। जेल भरो आंदोलन के माध्यम से खुला ज्ञापन दिया गया, भुगतान करो या इस्तीफा दो, आज जेल भरो आंदोलन में मुख्य बात बात यह थी कि हमारे राजस्थान के सभी जिलों में बड्र्स एक्ट कानून लागू किया, जाए और और सभी जिला कलेक्ट्रेट में भुगतान काउंटर खोला जाए, जिससे हम सभी ठगी पीड़ित साथियों का आवेदन फॉर्म जमा कर सकें, और सभी साथियों का भुगतान प्राप्त हो सके, मुख्य हमारी यही मांगे हैं, दूसरा सभी निर्दोष एजेंटो को सुरक्षा प्रदान की जाए, एवं उनको रोजगार दिया जाए, जिससे वह अपने बच्चों का पालन पोषण कर सकें, दूसरा सभी ठगो को धारा 111 के तहत मृत्युदंड दिया जाए! जिससे भारत ठग मुक्त हो सके, यही हमारी मांगे हैं! और आज 22 में दिन हमने इसी कारण जेल भरो आंदोलन किया! ईस जेल भरो आंदोलन में राजेंद्र कुमार सेन अलवर जिला अध्यक्ष, अलवर से दौसा के लिए जेल भरो आंदोलन में जाने वाले राजेंद्र कुमार सेन अलवर जिला अध्यक्ष, शिवचरण गौतम, हजारीलाल, मामचंद कंवर, सुरजीत सिंह, किशोरी लाल, महेंद्र बेरवा, महेश चंद, गोपाल राम आदि साथियों ने दोसा में जेल भरो आंदोलन में उपस्थित दर्ज करवाई।

भरतपुर सांसद संजना जाटव का नदबई आगमन पर हुआ भव्य स्वागत सम्मान समारोह

चमकता राजस्थान

नदबई (राजवीर सिंह) लोकसभा भरतपुर सांसद संजना जाटव पहली बार नदबई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नाम गुदावली की पावन धरा आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन 22 सितंबर 2024 रविवार को बड़ी धूमधाम से किया गया।कार्यक्रम के आयोजन कर्ता कुंवर भूपेंद्र सिंह फौजदार पंचायत समिति सदस्य के सौजन्य से सांसद संजना जाटव को 51 हजार रुपए की माला एवं चांदी का मुकट पहनाकर भव्य स्वागत, अभिनंदन कर सम्मान किया गया। जाट नेता नैम सिंह फौजदार ने नदबई विधानसभा क्षेत्र की जनता को संबोधित कहा कि इस बार भरतपुर लोकसभा का चुनाव नीति अनीति,झूंठ एवं सत्य की लड़ाई, गरीब और अमीर की लड़ाई को लेकर हुआ। धौलपुर और भरतपुर के जाटों के साथ भारतीय जनता पार्टी ने हमारे युवाओं के साथ आरक्षण के नाम से छुरा घोपने का काम किया। जाट समाज के द्वारा तमाम आंदोलन करने के बाद बीजेपी सरकार ने धौलपुर भरतपुर के जाटों को आरक्षण को दरकिनार किया। देश की बहुत बड़ी पंचायत संसद में भरतपुर लोकसभा सांसद संजना जाटव ने सबसे पहले केंद्र में आरक्षण को लेकर धौलपुर,भरतपुर के जाटों की आरक्षण की मांग रखी। अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी जिला अध्यक्ष विजेंद्र सिंह उर्फ बंटी आजाद ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भरतपुर लोकप्रिय सांसद संजना जाटव हमेशा सबकी आवाज संसद में उठाती है। भरतपुर धौलपुर में केंद्र में जाटों को आरक्षण नही है उसको लेकर सांसद संजना जाटव ने संसद में आबाज उठाई है। बीजेपी अपनी तू तू में में की लड़ाई लड़ रही है। बीजेपी ने अभी तक कोई विकास कार्य नही किया है। जिस समाज को आरक्षण की जरूरत नहीं है उस समाज को बिना मांगे आंदोलन के बिना आरक्षण दिया जा रहा है। मंच संचालन अशोक केशावत ने कहा कि भूपेंद्र सिंह फौजदार डायरेक्टर ने गांव नाम में डॉ भीमराव अम्बेडकर पार्क निर्माण के लिए साढ़े छह लाख रुपए की जमीन खरीदकर जाटव समाज को चिन्हित करके दी। पूर्व विधायक जोगेंद्र अवाना ने दस लाख रुपए सोलर डीप बोर के लिए राशि स्वीकृत करके दी लेकिन भेदभाव के कारण वो पैसा अभी तक लग नही पाया। मुख्य अतिथि संजना जाटव ने भरतपुर लोकसभा एवं नदबई विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नाम गुदावली की समस्त जनता जनार्दन को मान सम्मान करने पर तहे दिल से आभार व्यक्त किया। सांसद संजना जाटव ने कहा कि आपके प्यार और आशीर्वाद एवं जन समर्थन की वजह से मैं सांसद बनी हू।सांसद ने गांव नाम में सांसद कोटे से सामुदायिक भवन निर्माण कराने की घोषणा की।सांसद ने कहा कि मैं हमेशा आपकी सेवा में समर्पित हू। आपकी समस्या के लिए 24 घंटे दरवाजे खुले हुए हैं। आप लिखित में या मौखिक रूप से मुझे कभी भी अपनी समस्या के बारे में अवगत करा सकते हैं। मेरे क्षेत्र की जनता जनार्दन देवता तुल्य है। सांसद जाटव से लोगों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। सांसद ने जन समस्या सुनकर शीघ्र निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया साथ में राजस्थान में बीजेपी की वर्तमान सरकार भजनलाल सरकार पर पानी, बिजली, किसान के खेतो में बरसात के पानी से खराब फसल से निजात दिलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाने के लिए कोसा, इस मौके पर गिरीश जौहरी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव, हरभजन ठेकेदार, कप्तान सिंह, अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी जिला अध्यक्ष विजेंद्र सिंह उर्फ बंटी आजाद, पिंकी ठेकेदार, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुंवर पुष्पेंद्र सिंह गोठरा, राकेश पचौरा, डॉ हेमू, राजवीर सिंह पत्रकार, हरिकिशन मीना ब्लॉक अध्यक्ष खेड़ली, नरेश शर्मा,राजवीर, सुनील मीना हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

आईफा 25 होस्ट सिटी साइनिंग सेरेमनी

आईफा आयोजन बढ़ायेगा राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग श्री रवि जैन की उपस्थिति में रविवार (22, सितम्बर 2024) को अल्बर्ट हॉल (म्यूजियम) में आईआईएफए के वाइस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर तथा राजस्थान सरकार के पर्यटन आयुक्त विजय पाल सिंह द्वारा 'आईफा 25 सेलिब्रेशन @जयपुर होस्ट सिटी एग्रीमेंट साइनिंग सेरेमनी₹ में एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। इस एमओयू के तहत 7 से 9 मार्च 2025 में जयपुर में 'आईफा 25 सेलिब्रेशन्स' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यटन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मार्गदर्शन में जयपुर में आगामी 7 से 9 मार्च को 'आईफा25 सेलिब्रेशन' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

दिया कुमारी ने कहा कि आईफा अवाड्र्स् से निश्चित ही राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन के दौरान बॉलीवुड के जाने-माने सितारे और फिल्मी जगत की हस्तियां जयपुर में हमारे मेहमान होंगे। हम सिनेमा जगत से जुड़े हुए इन सेलिब्रिटीज का राजस्थान और जयपुर में स्वागत करेंगे। इस आयोजन के माध्यम से राजस्थान की इस अनुठी संस्कृति और पर्यटन को वैश्विक मंच पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आईफा अवार्ड की सिल्वर जुबली के अवसर पर ऐतिहासिक रूप से जयपुर में भारतीय सिनेमा के 25 शानदार वर्षों का जश्न मनाने का समारोह आयोजित किया जाएगा। तीन दिन तक विभिन्न सेगमेन्टस में आईफा अवाड्र्स् और गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

दिया कुमारी ने कहा कि इस आयोजन से राजस्थान के पर्यटन को शानदार बढ़ावा मिलेगा, यहां पर्यटन के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन से जुड़े सभी क्षेत्रों को फायदा होगा।

इस अवसर पर शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि आगामी 7 से 9 मार्च 2025 में जयपुर में आयोजित होने वाले 'आईफा 25 सेलिब्रेशन्स' तीन दिन के कार्यक्रम में कई कार्यक्रम शामिल होंगे, प्रमुख हस्तियों द्वारा प्रदर्शन और इस सहस्त्राब्दी में भारतीय सिनेमा में मेगा अचीवर्स और सबसे सफल लोगों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार राज्य के लिए वैश्विक ब्रांडिंग और गंतव्य विपणन अवसर भी प्रदान करेंगे। पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार और आईफा प्रबंधन के बीच कई चर्चाओं के बाद, मार्च 2025 में जयपुर, राजस्थान में #आईफा 25 समारोह आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

आईफा के वाईस प्रेसिडेन्ट सुरेश अय्यर ने इस अवसर पर बताया कि मार्च 2025 में जयपुर राजस्थान में यह यूनिक सिग्नेचर इंवेन्ट आयोजित किया जाएगा। हम भारतीय सिनेमा का उत्सव मनायेंगे। उन्होंने बताया कि आईफा की स्थापना सन 2000 हुई थी। उन्होंने कहा कि आईफा का आयोजन प्रतिवर्ष 14 विभिन्न देशों और 18 अलग-अलग शहरों में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में किया जाता रहा है।

सुरेश अय्यर ने बताया कि हमारा प्रयास होगा कि इस बार जयपुर, राजस्थान में आयोजित होने वाले समारोह और पुरस्कार समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाए। इस आयोजन का वैश्विक प्रसार होगा और पर्यटन, मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्रों में राजस्थान राज्य के लिए अवसर पैदा करने वाला साबित होगा। भारत में आखिरी बार क्ळ्ऋ का आयोजन 2020 में मुंबई में हुआ था, और अब यह मौका 2025 में जयपुर को मिला है।

उपमुख्यमंत्री को अबू धाबी के यास द्वीप में 27 से 29 सितंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले आईफा अवॉड्र्स के लिए दिया निमंत्रण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को आईफा के वाईस प्रेसिडेन्ट श्री सुरेश अय्यर ने अबू धाबी के यास द्वीप में 27 से 29 सितंबर, 2024 तक आयोजित होने वाले वर्ष 2024 के आईफा अवॉड्र्स के लिए निमंत्रण दिया है।

यह भी उल्लेखनीय है कि जब आईफा की यात्रा शुरू हुई तो भारतीय सिनेमा की कमाई का एक छोटा हिस्सा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से आता था। लगभग 25 वर्ष बाद, भारतीय सिनेमा का 25-30 % राजस्व अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से आता है, जिनमें से कई की शुरुआत उन क्षेत्रों में आईफा के आयोजन से हुई थी। आईफा को फिल्म उद्योग के साथ-साथ वैश्विक प्रशंसकों और फिल्म गुरुओं द्वारा सर्वोच्च सम्मान माना जाता है और मीडिया द्वारा इसे वैश्विक स्तर पर ₹चलते-फिरते ऑस्कर₹ के रूप में संदर्भित किया जाता है। मार्च समारोह की तैयारी में आईफा प्रबंधन और राजस्थान सरकार द्वारा नियमित अंतराल पर अधिक विवरण साझा किए जाएंगे, जिसमें भारतीय सिनेमा के प्रशंसक भारतीय सिनेमा के वैश्वीकरण का जश्न मनाने के लिए जयपुर में एकत्र होंगे।

इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक पर्यटन राकेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक श्री आनंद त्रिपाठी, निदेशक पुरातत्व विभाग पंकज धरेन्द्र, संयुक्त निदेशक (निवेश) पवन कुमार जैन तथा उपनिदेशक पर्यटन उपेंद्र सिंह शेखावत तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करतीं। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें। बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।
शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।
जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।
वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।
सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।
तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।
मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसैला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!
सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।
मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।
सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।
मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।
सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।
मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।
सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।
मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।
सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही लें तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नीबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

संक्षिप्त खबरें

आरएसपुरा सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आरएसपुरा की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान जवानों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात आरएसपुरा क्षेत्र में बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने बताया कि बीएसएफ जवानों ने अंधेरे की आड़ में बाड़ के पास घुसपैठिए की संदिग्ध हरकत देखी लेकिन बीएसएफ जवानों ने उसकी कोशिश को नाकाम कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह इलाके की गहन तलाशी ली गई जिसमें एक एके असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, 17 राउंड, दो पिस्तौल, चार मैगजीन और 20 राउंड बरामद हुए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शनिवार देर रात सीमा पार से इस तरफ घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक घुसपैठिए की गतिविधि देखी तो बीएसएफ ने लाइट मशीनगन से कुछ राउंड फायरिंग की। हालांकि घुसपैठिया हथियार और गोला-बारूद छोड़ कर भाग गया। तलाशी के दौरान जवानों ने सभी हथियार कब्जे में ले लिए।

फरक्का में इंजन से अलग हुई मालगाड़ी की कुछ बोगियां, बड़ी दुर्घटना टली

मुर्शिदाबाद। मुर्शिदाबाद जिला अन्तर्गत फरक्का में रविवार सुबह मालगाड़ी बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी। फरक्का थाना क्षेत्र के खोदाबंदपुर इलाके में चलती हुई मालगाड़ी की कुछ बोगी इंजन से अलग हो गई। हालांकि, कोई भी बोगी पटरी से नहीं उतरी, जिससे बड़ी दुर्घटनाएं टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मालगाड़ी धुलियान से फरक्का की ओर जा रही थी। इस दौरान कुछ बोगियां अचानक अलग हो गई। अलग हुई बोगियों को पीछे छोड़ते हुए इंजन समेत कुछ बोगियां थोड़ा आगे बढ़ गई लेकिन कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना रेलवे अधिकारियों को दी। खबर लिखे जाने तक तक, मालगाड़ी के अलग-अलग डिब्बों को मुख्य ट्रेन से जोड़ने का प्रयास जारी है। घटना कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है।

उद्धव से मिले सत्यपाल मलिक, बोले- महाविकास आघाड़ी का करेंगे प्रचार

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने रविवार को बांद्रा स्थित मातोश्री बंगले पर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इसके बाद सत्यपाल मलिक ने कहा कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी का प्रचार करेंगे। मलिक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दावा किया कि महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी को बढ़त मिलने वाली है। उद्धव ठाकरे राज्य में भाजपा को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इसी तरह राज्य में महाराष्ट्र महाविकास आघाड़ी और देश में आईएनडीआईए गठबंधन की ताकत बढ़ रही है। मलिक पुलवामा हमले, अडानी, अंबानी समेत कई अहम मुद्दों पर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। मातोश्री बंगले पर उद्धव और मलिक के बीच करीब आधे घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान संजय राऊत भी मौजूद थे।

बीड जिले में कार और कंटेनर की टक्कर, चार लोगों की मौत

मुंबई। बीड जिले में अंबाजोगाई-लातूर रोड पर नंदगांव पाटी के पास रविवार सुबह एक स्विफ्ट कार और कंटेनर के बीच टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची वर्दापुर पुलिस स्टेशन की टीम ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए अंबेजोगाई के शासकीय अस्पताल भेजा है। पुलिस के अनुसार आज तड़के जगलपुर से चार लोग स्विफ्ट कार से औरंगाबाद जा रहे थे। उनकी कार नंदगांव पाटी के पास अचानक सामने से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर से टकरा गई। इससे कार कंटेनर के नीचे घुस गई और कार में बैठे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वर्दापुर पुलिस स्टेशन के एपीआई ससाने ने बताया कि कार में सफर करने वाले सभी चार लोग जगलपुर के थे, लेकिन अभी तक उनके नाम नहीं बता चल सके हैं। पुलिस इस घटना की गहन छानबीन कर रही है।

तत्परता से करें लोगों की समस्याओं का निस्तारण : योगी आदित्यनाथ

- सीएम ने तीन दिनों में सुनी 900 लोगों की समस्याएं
- समाधान के लिए अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। इन समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान तत्परता से करें। जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। लगातार तीन दिन हुए जनता दर्शन के आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने कुल मिलाकर 900 लोगों की समस्याएं सुनीं।

रविवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाया गया था। योगी इन सभी लोगों तक खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। रविवार को उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिया कि सबके साथ न्याय होगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण की हिदायत दी। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। मुख्यमंत्री योगी उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और न होने की जानकारी पर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को थमाते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने हर पात्र का आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जम्मू-कश्मीर की बर्बादी के लिए विपक्षी दल जिम्मेदार : जेपी नड्डा

आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है। आतंकवादी की उम्र बस कुछ ही दिन होती है। उन्होंने मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की लहर पर भी प्रकाश डाला और केंद्रशासित प्रदेश के साथ भाजपा के गहरे संबंध को रेखांकित किया। इस बदलाव की बदौलत जम्मू-कश्मीर शांति, प्रगति और विकास के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में एक राष्ट्र, एक संविधान, एक प्रधानमंत्री के तहत विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।

पंडित प्रेम नाथ डोगरा व श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

नड्डा ने जम्मू के साथ भाजपा के मजबूत ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि हम पंडित प्रेम नाथ डोगरा को शेर-ए-डुग्गर के रूप में जानते हैं। वह भारतीय जनसंघ के नेता थे और उन्होंने इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। जम्मू के साथ भाजपा का रिश्ता गहरा है। उन्होंने जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा दो निशान, दो विधान, दो प्रधान के खिलाफ लड़ाई में दिए गए बलिदान को भी दोहराया। नड्डा ने लोगों से भाजपा को विजयी बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि भाजपा का समर्थन करना जम्मू-कश्मीर के हित में है और भाजपा दिल से जम्मू-कश्मीर के सर्वोत्तम हितों की कामना करती है।

एजेंसी

जम्मू। भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पाकिस्तानी रक्षामंत्री के बयान के हवाले से कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को गैर-राष्ट्रवादी करार दिया है। नड्डा ने कहा कि पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने दोनों दलों को जम्मू-कश्मीर में उसके एजेंडे को लागू करने की बात स्वीकारी है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा रविवार को उत्तर जम्मू विधानसभा क्षेत्र के बरनाई में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस क्षेत्र से पार्टी ने पूर्व मंत्री शामलाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और जम्मू-कश्मीर को बर्बाद करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि इन तीनों दलों ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया और इस खूबसूरत राज्य को नष्ट कर दिया। ये तीनों चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर 1990 के दशक की स्थिति में लौट आए। वह नियंत्रण रेखा के पार व्यापार को फिर से शुरू करने की वकालत करते हैं लेकिन आप जानते हैं कि व्यापार की आड़ में आतंक को बढ़ावा दिया जा रहा था।

नड्डा ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की लहर पर भी प्रकाश डाला और केंद्रशासित प्रदेश के साथ भाजपा के गहरे संबंध को रेखांकित किया। नड्डा ने आतंकी हमलों में काफी कमी आने का दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकियों का जीवनकाल केवल कुछ दिन है लेकिन यह दल उनके साथ वार्ता करने के पक्षधर हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और उनके साथ समझौता करने वाली पार्टियां गैर-राष्ट्रवादी हैं जो आर्तकियों को रिहा करने और एलओसी पार व्यापार शुरू करने की बात करती हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के अलावा किसी और ने उन्हें प्रमाण पत्र नहीं दिया है और उन्होंने जो कहा है वह सभी को पता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के घर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

बाइडन ने गर्मजोशी से किया स्वागत, गले मिले

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की। बैठक के लिए पीएम मोदी डेलावेयर में बाइडन के घर पर पहुंचे। यहां बाइडन ने पीएम मोदी से हाथ मिलाया और दोनों नेताओं ने गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ग्रीनविले, डेलावेयर स्थित अपने आवास पर मुलाकात के बाद सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'भारत के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका की साझेदारी इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, करीबी और अधिक गतिशील है। प्रधानमंत्री मोदी और हम जब भी हम बैठते हैं, मैं सहयोग के नए क्षेत्रों को खोजने की हमारी क्षमता से चकित हो जाता हूं। आज का दिन भी कुछ अलग नहीं था।'

दोनों नेताओं की इस मुलाकात के दौरान चर्चा का उद्देश्य व्यापार, रक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है। हालांकि इस द्विपक्षीय बैठक में चीन और रूस पर चर्चा होने की भी उम्मीद है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका के फिलाडेल्फिया पहुंचे। जहां से वो डेलावेयर पहुंचे, यहीं क्वाड के शिखर सम्मेलन में जो बाइडन और ऑस्ट्रेलिया के एंथनी अल्बनीज और जापान के फुमियो किशिदा के साथ शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के रविवार को न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में प्रवासी समुदाय को संबोधित करेंगे और बाद में व्यापार जगत के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। सोमवार को वे संयुक्त राष्ट्र में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' में भाषण देंगे और स्वदेश के लिए रवाना होंगे।

प्रसादम में पशु चर्बी : प्रायश्चित दीक्षा तपस्या

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री 11 दिन तक रखेंगे उपवास

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं फिल्म अभिनेता पवन कल्याण ने आज गुंटूर के श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा तपस्या शुरू की है। वह अगले 11 दिन व्रत रखेंगे और भगवान तिरुपति से क्षमा मांगेंगे। तिरुपति मंदिर के प्रसाद में उपयोग होने वाले घी में पशु वसा होने के चलते उन्होंने पिछली सरकार की गलतियों की क्षमा प्राप्ति के लिए यह तपस्या करने का फैसला किया है।

एक एक्स पोस्ट में उप मुख्यमंत्री कल्याण ने कहा कि हमारी संस्कृति, आस्था, विश्वास और श्रद्धा की धर्मधुरी श्री तिरुपति बालाजी धाम के प्रसाद में कुत्सित प्रयासों के तहत अपवित्रता का संचार करने की कोशिश की गई है। उससे वे व्यक्तिगत स्तर पर अत्यंत मर्माहत हैं और अंदर से अत्यंत छला गया महसूस कर रहे हैं। प्रभु वेंकटेश्वर से उनकी प्रार्थना है कि इस दुःख के क्षण में समस्त सनातनियों को अपनी कृपा से सबलता प्रदान करें। वे अभी इसी क्षण भगवन से क्षमा प्रार्थी हैं। इसके लिए प्रायश्चित दीक्षा हेतु वे प्रण सिद्ध कर रहे हैं और ग्यारह दिवसीय उपवास हेतु धर्म संकल्पित हो रहे हैं। ग्यारह दिवसीय प्रायश्चित दीक्षा के बाद एक और दो अक्टूबर को वे तिरुपति जाकर प्रभु के साक्षात दर्शन कर क्षमा मांगेंगे, विनती करेंगे और तब भगवन के समक्ष उनकी प्रायश्चित दीक्षा की पूर्णाहूति होगी।

कानपुर देहात अग्निकांड में छह मजदूरों की मौत, दो अभियुक्त गिफ्तार

कानपुर देहात। 22 जनपद के रनिया औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार सुबह एक गत्ता फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से झुलस गए हैं। मामले में पुलिस ने फैक्टरी के मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और दो अभियुक्तों को गिफ्तार भी कर लिया गया है। कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि शनिवार को रनिया के खानपुर खड़ंजा रोड पर आरपी पॉली प्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस दौरान यहां रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया और फैक्टरी की छत ढह गई। जब शेड को हटाया गया तो तीन लोगों की मौत हो गई थी, वहीं गंभीर घायलों को कानपुर और लखनऊ में अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर छह लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने फैक्टरी के तीनों निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

कानपुर: एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश, ट्रैक पर रखा सिलेंडर

- विगत 40 दिनों में इस तरह की यह तीसरी घटना

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम हो गयी है। जिले के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास लूप लाइन पर रविवार को एक गैस सिलेंडर रखा मिला। यह देखकर लोको पायलट और सहायक लोको पायलटों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया जिससे हादसा टल गया। इसके बाद रेलवे ट्रैक पर रखे गए सिलेंडर को हटवाया गया। सूचना पर सक्रिय हुई रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल जांच शुरू कर दी।

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि आज (22 सितंबर) जेटीटीएन गुड्स ट्रेन कानपुर से प्रयागराज को जा रही थी। प्रेमपुर स्टेशन के पास लूपलाइन पर लोको पायलट देव आनंद गुप्ता और सहायक लोको पायलट सीबी सिंह ने सिग्नल से कुछ दूर पहले एक सिलेंडर रखा हुआ देखा। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी को रोक लिया। इसके बाद उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही रेलवे आईओडब्ल्यू, सुरक्षाबल सहित अन्य टीमों ने सिलेंडर की जांच की और उसे ट्रैक से हटाया।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह एक पांच लीटर का खाली सिलेंडर है, जो ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले रखा हुआ था। जीआरपी एवं आरपीएफ ने इस पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। कुछ दिन पहले कानपुर-कासगंज के बीच रेल ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश हुई थी। दोनों ही मामलों में जांच चल रही है। विगत करीब 40 दिनों में इस तरह की यह तीसरी घटना है।

कार्यक्रम विहिप के दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग को चंपत राय ने किया संबोधित, बोले

समाज में अस्पृश्यता खत्म होने से ही भारत बनेगा समर्थ

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव एवं विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने रविवार को कहा कि हिंदू जीवनमूल्य श्रेष्ठ है लेकिन व्यवहार में अंतर आया है। विहिप भेदभाव और छुआछूत की बुराई को समाप्त करने के लिए गत 60 वर्षों से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज में अस्पृश्यता रूपी बीमारी को दूर करने से ही हिंदू समाज समरस और भारत समर्थ बनेगा।

चंपत राय ने कारसेवकपुरम् में रविवार को विहिप के दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि छुआछूत 56 पीढ़ियों का रोग है। यह हमारे समाज में 1400 वर्षों से विद्यमान है। अस्पृश्यता हिंदू समाज में क्रोनिक बीमारी की तरह है। जो धीरे-धीरे शुरू होती है और लम्बे समय तक रहती है। रोज दवाई लेते रहने से बीमारी दूर होती है। इसलिए हमें भी अस्पृश्यता रूपी बीमारी को दूर करने के लिए प्रयास करना होगा। इससे ही हिंदू समाज समरस, सक्षम और भारत समर्थ बनेगा।

उन्होंने कहा कि हम ही डाक्टर हैं इसलिए हमें ही इस समस्या को हल करने के लिए प्रयास करने होंगे। हम एक हैं। हिंदू समाज में व्यवहार में भी समरसता लाना होगा। भारत के लिए समरसता प्राणवायु की तरह है। छठी शताब्दी से पूर्व छुआछूत नहीं थी। इस समस्या को समाप्त करने के लिए हमें समाज के सभी वर्गों के साथ सुख-दुख में शामिल होकर पारिवारिक मित्र बनाना चाहिए। हमें महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास और डॉ. अबेडकर की जयंती समारोह को मनाना होगा।

रविदास मंदिर अयोध्या के संत निहाल दास महाराज ने कहा कि हमारे सद्गुरुओं ने धन के लालच में धर्म परिवर्तन नहीं किया और सबको जोड़ने का संदेश दिया। हम सब लोगों को जात-पात का रोग को मिटाना है। हम सब भगवान राम के आदर्शों पर चलें व जीवन में उतारें तो सामाजिक समरसता जल्दी आ सकती है। कथनी-करनी एक करेंगे तो ही इस काम में सफलता मिलेगी। हम राम के आदर्शों पर चलें, यही आज के समय की मांग है। कार्यक्रम विहिप के केंद्रीय मंत्री देवजी भाई रावत, सामाजिक समरसता अभियान के अवध प्रांत के प्रमुख गोविन्द शाह, सह प्रांत प्रमुख धर्मेन्द्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विहिप के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की तिरुपति में बैठक आज

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक सोमवार को तिरुपति में बुलाई गई है। इस बारे में जानकारी देते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने बताया कि आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के संतों की इस बैठक में हिंदू समाज के समक्ष खड़ी चुनौतियों और उनके समाधानों पर मंथन किया जायेगा। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम् में मिलावट व उससे उत्पन्न स्थिति पर भी विचार होगा। उन्होंने बताया कि विहिप का सर्वोच्च नीति निर्धारक मंच संतों का है, जिसमें केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों के संतों की भूमिका अग्रणी रहती है। इसकी वर्ष में दो बार बैठक होती है। इस बार से हमने अर्धवार्षिक बैठक क्षेत्रशः करने का निर्णय लिया है और इसकी पहली बैठक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना प्रांत के जो संत केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं। उनकी यह बैठक, तिरुपति में सोमवार को पूरे दिन चलेगी। बागड़ा ने आगे बताया कि इस बैठक में हिंदू समाज के समक्ष विभिन्न चुनौतियों के बारे में चर्चा होगी और उनके समाधान के बारे में और मुख्यतः उन समाधानों में संतों की भूमिका के बारे में कुछ निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही तिरुपति बालाजी के मंदिर में प्रसादम् के विषय में जिस प्रकार की भ्रांतियां और चिंताजनक समाचार पूरे हिंदू समाज को बहुत व्यथित कर रहे हैं, उसके बारे में भी निश्चित रूप से चर्चा होगी।

संक्षिप्त खबरें

मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर रेलवे जंक्शन के 100 मीटर की दूरी पर मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन (05389) का इंजन पटरी से उतर गया। वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। अब तक किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात मुजफ्फरपुर से पुणे जाने वाली स्पेशल ट्रेन रवाना होने वाली थी। ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर लगाया गया। इंजन को ट्रेन से अलग करके शंटिंग लाइन से आगे की ओर जोड़ा जाना था। लोकोमोटिव शंटिंग किया जा रहा था। इसी दौरान यह पटरी से उतर गया। चालक ने इसकी सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दी। अधिकारी मौके पर पहुंचे और इसकी जानकारी सोनपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और रेस्क्यू का काम शुरू कराया। घटना में चालक की लापरवाही सामने आ रही है। घटना के बाद पुणे की स्पेशल ट्रेन को दूसरे इंजन की मदद से रवाना किया गया। ट्रेन एक घंटे से अधिक समय लेट रही। सीतामढ़ी-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन भी जंक्शन पर फंसी रही। एक-दो मालगाड़ियों का भी परिचालन बाधित रहा।

सभी थाना में चलाया गया सफाई अभियान

अररिया। एसपी अमित रंजन के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी थाना और ओपी में सफाई अभियान कार्यक्रम चलाया गया।जहां पुलिस अधिकारियों के साथ साथ जवानों ने स्वैच्छिक श्रमदान कर समाज में साफ सफाई को लेकर संदेश दिया। एएसपी रामपुकार सिंह के साथ नगर थानाध्यक्ष मनीष रजक,महिला थानाध्यक्ष आदि ने भी थाना परिसर में सफाई की।वहीं फारबिसगंज थाना परिसर में थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह की अगुवाई में थाना परिसर में सफाई अभियान चलाकर लोगों से अपने घरों के साथ गली मुहल्ले और शहर को साफ रखने की अपील की। उल्लेखनीय हो कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन तक सरकार की ओर से स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत विभिन्न विभागों और उनके कर्मचारियों के द्वारा अभियान को लेकर जागरूकता हेतु कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

52वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने स्टेशन में चलाया स्वच्छता अभियान

फारबिसगंज/अररिया। अररिया 52वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों व कार्मिकों ने रविवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए अररिया कोर्ट रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमें बल कर्मियों द्वारा रेलवे स्टेशन के साथ-साथ रेलवे ट्रैक की भी साफ-सफाई की गयी। 52वीं वाहिनी के कमांडेंट महेंद्र प्रताप ने बताया कि इस वर्ष स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता की थीम पर वाहिनी मुख्यालय सहित समस्त बाहरी सीमा चौकियों में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे स्वच्छता के प्रति शपथ लेना, स्वच्छता रण, साइकिल रैली, मैराथन, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों, प्रमुख सड़कों, रेलवे ट्रैकों, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई वृहद स्तर पर की जायेगी। इसके अलावा स्कूली विद्यार्थियों के बीच स्वच्छता विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी करायी जा रही है। इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े को और अधिक सफल बनाने के लिए सफाई मित्रों व कर्मचारियों के लिए सीमाक्षेत्र में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है. ताकि हमारा घर, गांव व नगर स्वच्छ बन सके।

भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा भागलपुर के द्वारा सदर अस्पताल एवं जिला स्कूल में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उक्त दोनों स्थल पर साफ सफाई करने के बाद अभियान को भाजपा कार्यकताओं ने घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। सभी सदस्यों ने बड़ी तत्परता और उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह पहल देश भर में क्रांति का रूप ले चुकी है और हमें इसे हर घर तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष अमरदीप साह ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए हमें संस्कार स्वच्छता और स्वभाव स्वच्छता के सिद्धांत पर अमल करना होगा अपने व्यवहार में स्वच्छता के साथ ही अपने आसपास भी स्वच्छता रखनी चाहिए। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष रोहित पांडेय, पूर्व प्रत्याशी अर्जित चौबे, रोशन सिंह, योगेश पांडेय, स्वेता सिंह, निरंजन सिंह, प्रतिक आनंद, जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी, चंदन ठाकुर, डॉ संजय कुमार, डॉ ओमनाथ भारती, भोला मंडल, प्रणव दास, श्वेता सिंह, नीतू चौबे, अमन कुमार आदि कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

रूपश्री व कन्याश्री परियोजनाओं को मिली सराहना : ममता

एजेंसी

कोलकाता। विश्व स्तर पर एक बार फिर पश्चिम बंगाल सरकार की परियोजनाओं रूपश्री और कन्याश्री की सराहना की गई। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक शाखा यूनिसेफ ने रूपश्री और कन्याश्री की सराहना की है। इस बारे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पश्चिम बंगाल सरकार की सामाजिक परियोजनाओं को यूनिसेफ से सराहना मिली है। इसे आप सबके साथ साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कुछ दिनों पहले यूनिसेफ द्वारा इम्पैक्ट ईस्ट, 2024 कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कन्याश्री, रूपश्री जैसी परियोजनाओं को याद किया गया। कॉन्क्लेव के मंच पर राज्य में

सामाजिक सेवा कार्यों में ऐसी परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, 'इम्पैक्ट ईस्ट, 2024 कॉन्क्लेव के मंच पर, यूनिसेफ के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने कन्याश्री, रूपश्री जैसी परियोजनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य के सामाजिक विकास के पीछे ऐसी परियोजनाओं की अहम भूमिका बताई। हमारी सरकार की समाज कल्याण योजनाओं की वैश्विक मंच पर लगातार सराहना हो रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी ममता सरकार की विशेष परियोजना कन्याश्री की यूनिसेफ ने सराहना की थी।

डीवीसी से पानी निकासी पर राज्य-केंद्र में टकराव, मुख्यमंत्री ने फिर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

कोलकाता। डीवीसी से पानी निकासी पर राज्य-केंद्र में टकराव। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को फिर प्रधानमंत्री को पत्र भेजा। चार पेज के उस पत्र में उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मांगों को खारिज कर दिया। उन्होंने दावा किया कि राज्य को लगभग अंधेरे में रखकर डीभीसी ने पानी छोड़ दिया। ममता इस बार चार पेज की चिट्ठी लिखी हैं` उन्होंने पत्र में दावा किया, "मैं यह पत्र जल शक्ति मंत्रालय के पत्र के मद्देनजर लिख रहा हूं` केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि डीभीसी जलविहीन नियंत्रण समिति में बंगाल का भी एक प्रतिनिधि है` मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता` इस मामले में केंद्रीय जल आयोग और जल शक्ति मंत्रालय हमेशा अहम फैसले लेते हैं ।राज्य को बिना बताए पानी छोड़ दिया जाता है । इसके बाद ममता ने तारीख का जिक्र करते हुए पानी की कमी के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पत्र में कहा, "16 सितंबर को डीभीसी चेयरमैन से अनुरोध किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे नहीं सुना` शासन से ढाई लाख क्यूसेक पानी की मंजूरी नहीं मिली है। पहले 2.3 लाख क्यूसेक और बाद में 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने का अनुरोध नहीं रखा गया` डीभीसी द्वारा समय पर जवाब नहीं देने के कारण स्थिति बिगड़ गयी` हाल ही में केवल साढ़े तीन घंटे के नोटिस पर 9 घंटे के लिए पानी छोड़ा गया था।' ममता का विस्फोटक दावा, "मुझे निजी तौर पर लगता है कि ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़ने की कोई जरूरत नहीं थी` और अगर इतनी बड़ी मात्रा में पानी नहीं छोड़ा गया होता तो दक्षिण बंगाल में बाढ़ की ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। पत्र में ममता ने डीभीसी की कमेटी से प्रतिनिधियों की वापसी का भी जिक्र किया है । गौरतलब है कि पिछले हफ्ते दक्षिण बंगाल में लगातार कई दिनों तक बारिश हुई थी` इसके बाद डीभीसी ने पानी छोड़ दिया` हावड़ा का अमता, उदयनारायणपुर, हुगली का खानकुल, पूर्वी मिदनापुर का विशाल क्षेत्र, पश्चिम मिदनापुर का घाटल जलमग्न हो गया। जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया` ममता बनर्जी ने खुद बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर तेली समाज का अधिकार चिंतन सम्मेलन

एजेंसी

सहरसा। प्रमंडलीय तैलिक वैश्य अधिकार चिंतन सम्मेलन रविवार को प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया।इस अवसर पर वैश्य समाज के कार्यकर्ताओ ने मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर प्रदेश नेताओ का भव्य स्वागत किया।इस अधिकार चिंतन सम्मेलन की विधिवत शुरूआत तैलिक सभा के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक रणविजय साहू सहित अन्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मौके पर अतिथियों एवं गणमान्य लोगो को पाग चादर एवं बुके देकर सम्मानित किया गया।इस अधिकार चिंतन शिविर में रण विजय साहू ने कहा तैलिक समाज के अधिकार के लिए बिहार के हर प्रखंड एवं पंचायत में संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता है और समाज को एकजुट रहने की आवश्यकता है । हमारी एकजुटता के कारण हमारा प्रतिनिधित्व राजनीतिक स्तर पर भी बढेगा।

उन्होंने कहा की पर्याप्त संसाधन और क्षमता होने के बावजूद भी

आज अपना समाज बिहार में पिछड़ रहा है।

हमें अपनी एकता को दिखाकर पूरे बिहार के कोने एक एक सुदूर क्षेत्रों में अपनी धमक बढ़ाने की आवश्यकता है।पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू प्रसाद ने कहा कि अपने समाज को आज नए नेतृत्व की आवश्यकता है। युवाओं और महिलाओं के बीच भी संगठित होकर उनके बीच भी नेतृत्व प्रदान करने आवश्यकता है। हमारा समाज युवा और महिलाओं को नेतृत्व प्रदान करने के क्षेत्र में पिछड़ रहा है जिसे एकजुट कर नेतृत्व देने की आवश्यकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज गुप्ता ने अधिकार चिंतन सम्मेलन को संबोधित कर कहा कि हमारा समाज उत्पीड़न का शिकार लंबे समय से हो रहा है। कोसी जैसे पिछड़े क्षेत्र में हमारे समाज के साथ कई प्रकार के अत्याचार और उत्पीड़न लगातार झेल रहा है लेकिन जो प्रदेश स्तर के राजनीति में सक्रिय अपने समाज के लोग चुप्पी साधे है क्योंकि हमारा समाज एकजुट नहीं है। अगर हमारे समाज को अपना अधिकार चाहिए तो चिंतन करना पड़ेगा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए नेतृत्व पैदा करना पड़ेगा।

नीति निर्देशक सिद्धांत भारतीय संविधान की आत्मा : डॉ. शशि प्रताप

एजेंसी

नवादा। नवादा विधि महाविद्यालय नवादा में रविवार को दो दिवसीय डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स आफ इंडियन कांस्टीट्यूशन विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का समापन किया गया, जिसकी अध्यक्षता नवादा विधि महाविद्यालय के प्राचार्ज डॉक्टर डीएन मिश्रा ने की, जिसमें संविधान विशेषज्ञों ने संविधान के अनुसार राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप राज्य तथा देश के विकास पर चर्चा करते हुए विधि छात्र-छात्राओं को कई कानूनी जानकारी दी। इस रास्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर शशी प्रताप शाही ,पूर्व मंत्री विधान परिषद डॉक्टर नीरज कुमार ने किया था । कुलपति डॉक्टर शशी प्रताप शाही ने विधि छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि कानूनी जानकारी जिंदगी का चौमुखी विकास करता है। इसलिए मन लगाकर कानूनी की पढ़ाई पूरा करें तथा समाज में वंचितों को न्याय दिलाने में सहायक बने। उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों को संविधान की

आत्मा बढताकर विस्तार से चर्चा की थी. प्रचार डॉक्टर डीएन मिश्रा को हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया ।द्वितीय सत्र में बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने भी विधि छात्रों को कानून की जानकारी के महत्व पर प्रकाश डाला था ।उन्होंने विधि महाविद्यालय का संचालन के लिए डॉक्टर डी एन मिश्रा को बधाई देते हुए कहा कि आप कानून की जानकारी के क्षेत्र व समाज के बीच जो प्रकाश फैला रहे हैं। इसके लिए आप साधुवाद के पात्र हैं ।द्वितीय सत्र में चाणक्य विधि विश्वविद्यालय, राजस्थान विधि विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय , चाणक्या विधि विश्वविद्यालय ,पटना विश्वविद्यालय सहित देश के कई नामी विश्वविद्यालय के विधि विशेषज्ञ प्राध्यापको ने संविधान तथा कानून के दायरे में अपने विचार रखते हुए इसके अनुपालन से राज्य की स्थितियों पर चर्चा की। इस अवसर पर चाणक्य लौ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर अजय कुमार ,पटना विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर वाणी भूषण, डॉक्टर सलीम जावेद, डॉक्टर रंजन कुमार,डॉ दिग्विजय सिंह, पत्रकार तथा अधिवक्ता डॉ साकेत बिहारी ने कई कानूनी पहलुओं पर चर्चा के साथही प्रति छात्र-छात्राओं के मस्तिष्क में उपजने वाले सवालों का जवाब दिया। संविधान में वर्णित राज्य के नीति निर्देशक तत्वों पर विशिष्ट तौर पर चर्चा की गई।

सीपीएम के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम के सम्मान में नवादा में संकल्प सभा

एजेंसी

नवादा । भारत की कम्युनिष्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कॉम सीताराम येचुरी की श्रद्धांजलि सह संकल्प सभा का आयोजन रविवार को न्यू एरिया नवादा स्थित श्री कृष्ण सिंह स्मारक भवन में किया गया । पार्टी के जिला कमिटी द्वारा आयोजित इस सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता जिला महासचिव प्रो नरेशचंद्र शर्मा ने की। जबकि बाम संगठनों के अलावे अन्य सामाजिक ,राजनीतिक संगठनों के नेता व कार्यकर्ता भी शामिल हुए । श्रद्धांजलि सभा के अंतर्गत सभी आगंतुकों ने दो मिनट का मौन रखकर कॉम येचुरी के जीवन दर्शन को आत्मसात करने की कोशिश की । उसके बाद कॉम सीताराम येचुरी को लाल सलाम जैसे गगनभेदी नारों के बीच उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।संकल्प

सभा के अंतर्गत वक्ताओं ने उनके ख्वाबों को इसी जनम और इसी सदी में पूरा करने का संकल्प लिया ।

उन्होंने कहा कि 12 अगस्त 1952 को तमिलनाडु में जन्मे येचुरी साहब का मात्र 72 वर्ष की अल्पायु में दिवंगत होना दुनिया भर के कम्युनिष्ट विचारधारा के लिए एक सदमा की तरह है । सीपीआई के जिला महासचिव कॉम जयनंदन सिंह ने अपने वक्तव्य में सीताराम येचुरी की उपस्थित मात्र के औचित्य को प्रमाणित किया । सीपीआई एमएल के महासचिव नरेंद्र सिंह ने अपने उद्गार में उनके अधूरे ख्वाबों को पूरा करने का संकल्प लिया । सीपीएम के किसान नेता रामजतन सिंह ने नई पीढ़ी में बढ़ते वैचारिक पुष्टता का प्रमाण देते हुए सीताराम येचुरी की प्रासंगिकता समझाई । इसी प्रकार राजद के वरिष्ठ नेता ई. के .वी. यादव , कॉम बृजकिशोर , भोलाराम तूफानी , नकुल लाल , पुष्पा कुमारी , कॉम मुकुलेश , कॉम विपिन , उमेश , दानी , राजेन्द्र राम , कॉम जगदीश , कॉम राकेश , कॉम भगीरथ , कॉम धनेश्वर समेत सैकड़ो वक्ताओं ने कॉमरेड सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि देकर संकल्प लिया ।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से लोगों की बढ़ी परेशानी, कई गांव में घुसा बाढ़ का पानी

एजेंसी

भागलपुर। जिले में गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि का असर दिखने लगा है। जिले के सबौर, सुल्तानगंज, गोराडीह प्रखंड के अलावा नवगछिया में बाढ़ का पानी कई गांवों में घुस चुका है। सबौर प्रखंड के बाबूपुर, राजांदीपुर, संत नगर, बगडेर, इंग्लिश, मशाढू सहित अन्य कई गांव में घरों में पानी घुसने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोग अपने घर का सामान बचाने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। एनएच 80 के उत्तरी और दक्षिणी दिशा में भी पानी भर गया है। हजारों एक-ड़ खेतों में लगा फसल पानी में डूब गया ह। पशुपालक मवेशियों को लेकर प्रखंड कार्यालय परिसर में जा रहे हैं। अंचल प्रशासन की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए अभी तक नाव की व्यवस्था नहीं कराई गई है। इसको लेकर ग्रामीणों में रोष देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अभी तक जिला प्रशासन के तरफ से हम लोगों को किसी तरह का कोई सुविधा नहीं मिला है। जिससे कि हम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हम लोग जान जोखिम में डालकर टिन से बने नाव के सहारे आवागमन कर रहे हैं। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय क्षेत्र की स्थिति भी बाढ़ से बदहाल है। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर लगभग दो फीट पानी बह रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में भी बाढ़ का पानी घुस चुका है।

सेवा पखवाड़ा के रक्तदान शिविर में भाजपाइयों ने किया रक्तदान

फारबिसगंज/अररिया । सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच आयोजित रक्तदान शिविर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष आकाश राज के अगुवाई में सदर अस्पताल कैंपस में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सह जिला बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष आदित्य नारायण झा उपस्थित रहे,विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष आलोक भगत भी मौजूद थे। अन्य सहयोगियों में भाजपा नेता नागेश्वर यादव महिला मोर्चा के जिला महामंत्री ज्योति भगत, प्रवक्ता कनकलता झा, नगर अध्यक्ष रीना जैन भी उपस्थित रहे । रक्तदान करने वालों में जिला कृष्ण कुमार सेनानी प्रयोगशाला प्रभारी बादल कुमार साह प्रयोगशाला प्रावधिकी मोहम्मद इस्माइल सहित अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे।

राजनीति बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव

अधीर के मुकाबले 'नरमपंथी' हैं बंगाल कांग्रेस के नए अध्यक्ष शुभंकर सरकार

एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से अधीर रंजन चौधरी को हटाकर शुभंकर सरकार को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। शनिवार रात कांग्रेस ने इसकी घोषणा की। इसे बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद से प्रदेश कांग्रेस कमेटियों में बदलाव लगभग तय था। अधीर रंजन चौधरी, जो पिछले लोकसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद से हारे थे, पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे केवल अस्थायी अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। उनके हारने के

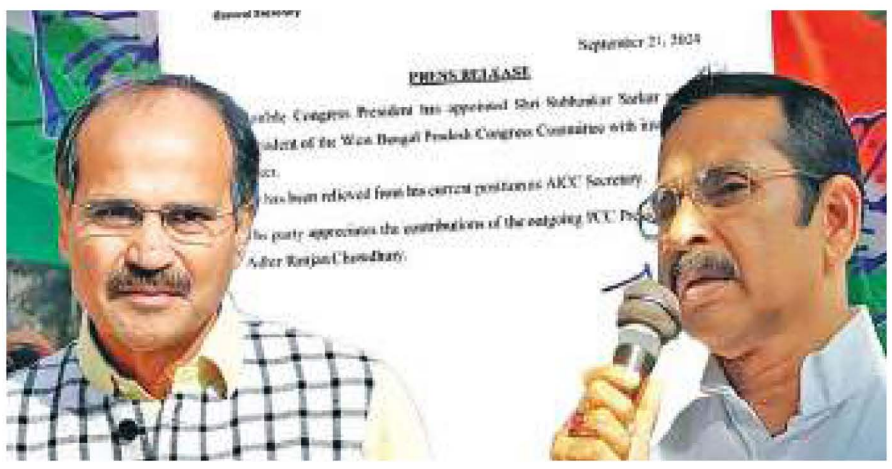

बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर किसे रखा जाएगा। आखिरकार, दिल्ली से अधीर को हटाने का निर्णय लिया गया और उनके स्थान पर शुभंकर सरकार को जिम्मेदारी सौंपी गई।

अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मुखर रहे हैं और उन्होंने चुनाव में अपनी हार के लिए तृणमूल की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने खुद सोनिया गांधी को बताया था कि मुर्शिदाबाद में तृणमूल ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया था। उनका मानना था कि उनकी हार का प्रमुख कारण यही था।

राजनीतिक विश्लेषक मोइदुल इस्लाम ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने तृणमूल के साथ अपने संबंधों को नरम करने के लिए अधीर को हटाकर शुभंकर सरकार को नया अध्यक्ष बनाया है। शुभंकर की छवि तृणमूल विरोधी न होकर, पार्टी के भीतर एक नरमपंथी के रूप में है। कांग्रेस के भीतर भी कई नेता यह मानते हैं कि बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल के बीच संबंधों में नरमी आ सकती है।

अधीर चौधरी ने काट दिया वेणुगोपाल का फोन

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने शनिवार रात अधीर को फोन कर उन्हें इस बदलाव की जानकारी दी और कहा,आपको हटाया जा रहा है, कृपया इसे व्यक्तिगत तौर पर न लें। इसके बाद, अधीर ने फोन काट दिया और फिर किसी नेता का फोन नहीं उठाया। अब बड़ा सवाल यह है कि शुभंकर सरकार के नेतृत्व में कांग्रेस और तृणमूल के बीच के संबंध कैसे होंगे? कांग्रेस के कई नेता यह मान रहे हैं कि तृणमूल के साथ संबंधों में नरमी आ सकती है।

बंगाल की वित्तीय स्थिति चिंताजनक : दिलीप घोष

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने राज्य सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा है। केंद्र सरकार की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दिलीप घोष ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा, पश्चिम बंगाल की वित्तीय स्थिति चिंताजनक है। प्रति व्यक्ति आय में भारी गिरावट आई है। लोगों की आय सीमित है और राष्ट्र में राज्य का आर्थिक योगदान काफी कम हो गया है। वर्ष 1960 में 10.5% से 2024 में 5.6% तक, पश्चिम बंगाल की जीडीपी हिस्सेदारी में काफी गिरावट आई है।

दिलीप घोष ने आगे लिखा है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों को गलत जानकारी देकर गुमराह कर रही हैं, जिस पर कई लोग यकीन कर लेते हैं। तृणमूल ने वाम मोर्चे की विनाशकारी नीतियों को और बढ़ावा दिया है, जिससे पश्चिम बंगाल प्रवासी मजदूरों की भूमि बन गया है। जब तक ममता बनर्जी सत्ता में रहेंगी, यह निराशाजनक परिदृश्य नहीं बदलेगा।

संक्षिप्त समाचार

दौलत राम बने बहुजन समाज पार्टी करौली के जिला अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। करौली संवाददाता की रिपोर्ट, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सश्री बहिन कुमारी मायावती व नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद, केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नितिन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान भगवान सिंह बाबा के आदेशानुसार
आज मुझे बहुजन समाज पार्टी जिला करौली के जिला अध्यक्ष पद की जो जिम्मेदारी मुझे मिली है! उसे मैं मेरे पूरे तन, मन, धन, निष्ठावान समर्पण के साथ हमेशा की भांति और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का जी -जान के साथ काम करूंगा! मुझे नई मिली जिम्मेदारी के अवसर पर मैं सभी राष्ट्रीय नेतृत्व व पूरी प्रदेश ईकाई राजस्थान का बहुत - बहुत आभार प्रकट करता हूं।

साक्षरता कार्यक्रम के तहत 46 केंद्रों पर संपन्न हुई साक्षरता परीक्षा

चमकता राजस्थान । कोटपूतली-बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। नवभारत साक्षरता मिशन के अंतर्गत रविवार को कोटपूतली परिक्षेत्र के 46 परीक्षा केदो पर साक्षरता परीक्षा संपन्न करवाई गई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए ब्लॉक शिक्षा कार्यालय के अंतर्गत उड़न दस्ते का गठन किया गया जिसमें जोगेंद्र सिंह, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, भागीरथ सिंह मीणा,एसीबीओ प्रथम, दयाराम चोरडिया, एसीबीओ द्वितीय, आशीष यादव संदर्भ व्यक्ति एवं ब्लॉक साक्षरता समन्वयक शिवकुमार शर्मा की टीम गठित करके परीक्षा केदो का अवलोकन एवं परवेक्षण करवाया गया। ब्लॉक कोटपूतली को जिला जयपुर साक्षरता से 1200 परीक्षार्थियों का लक्षय दिया गया था। इस हेतु ब्लॉक कोटपूतली द्वारा अपने लक्षयों की पूर्ति करते हुए 319 पुरुष परीक्षार्थी एवं 881 महिलाएं, कुल 1200 परीक्षार्थी, परीक्षा में शामिल रहे। परीक्षा हेतु कंट्रोल रूम का भी गठन किया गया, जिसमें रघुराज सिंह शेखावत, वरिष्ठ अध्यापक, जितेंद्र यादव, अध्यापक एवं विनोदी लाल जांगिड़, सहायक अध्यापक ने बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस परीक्षा का सफल संचालन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

कोटपूतली में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार को।

चमकता राजस्थान। कोटपूतली बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद् स्व० राजेन्द्र प्रसाद हिन्दू की स्मृति में उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर व वैदिक यज्ञ का कार्यक्रम होना है।यह कार्यक्रम कोटपूतली के निकटवर्ती ग्राम गोनेडा में स्थित एलिट ग्लोबल स्कूल में मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। स्वर्गीय राजेंद्रप्रसादहिंदूसदैवदेश,धर्म,समाज,संस्कृति व व्यक्तित्व निर्माण की पुण्य विचारधारा के प्रवर्तक उन महामना के उज्ज्वल जीवन सार थे। ऐसे व्यक्तित्व को जीवंत रखना समाज एवं स्वजनों का कर्तव्य है।

रंजीत युवा कांग्रेस के जिला महासचिव नियुक्त

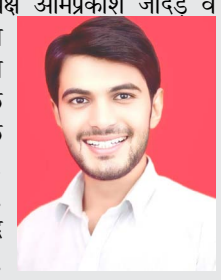

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड (धर्मेंद्र बंसल)। युवा कांग्रेस कोटपूतली-बहरोड़ के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़ व जिला प्रभारी रवि कुमार सिगदार ने जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुये रंजीत कसाना को जिला महासचिव नियुक्त किया है। कसाना की उपरोक्त नियुक्ति पर पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी मोहम्मद शाहिद, प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनियां, सम्भाग प्रभारी आशीष बैरवा, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़, प्रभारी रवि कुमार सिगदार का आभार व्यक्त किया है। रंजीत पूर्व में कांग्रेस पार्टी में कई पदों पर कार्य कर चुके है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रामगढ के दिवंगत विधायक के परिजनों का बंधाया ढाढ़स

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 सितम्बर। गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य विभाग गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को रामगढ विधायक दिवंगत जुबेर खान के अलवर जिला स्थित उनके निवास पर जाकर उनके पुत्र आदिल खान व आर्यन खान सहित शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर उनका ढाढ़स बंधाया।उल्लेखनीय है कि रामगढ विधायक जुबेर खान का लम्बी बीमारी के पश्चात शनिवार 14 सितंबर को प्रातः देहांत हो गया था। इस दौरान राजेन्द्र कसाना सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं परिजन मौजूद रहें।

जिला करौली में एक दिवसीय जिला स्तरीय अधिवक्ताओं का प्रशिक्षण शिविर हुआ सम्पन्न

चमकता राजस्थान

संवाददाता करौली की रिपोर्ट,करौली दलित अधिकार केंद्र द्वारा दिनांकः- 22 सितंबर, 24 को राजरानी पैलेस मैरिज गार्डन, जिला करौली में अधिवक्ताओं का एक दिवसीय जिला स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ करते हुए दलित अधिकार केंद्र के जिला समन्वयक मीठालाल जाटव ने सभी का स्वागत किया और बाबा साहब की तस्वीर पर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित की। मीठालाल ने शिविर की रूपरेखा व कार्यक्रम के बारे में बताया। प्रशिक्षण शिविर में दलित अधिकार केंद्र के मुख्य कार्यकारी एडवोकेट हेमंत कुमार मीमरोठ द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया, तथा दलित अधिकार केंद्र का परिचय देकर कार्यक्रम शुरू किया गया। शिविर में दलित अधिकार केंद्र के निदेशक एडवोकेट सतीश कुमार ने एससी/एसटी एक्ट के बारे में बताते हुए कहा कि एससी/ एसटी एक्ट दुनिया का सबसे अच्छा व प्रभावशाली कानून है, लेकिन पुलिस प्रशासन की उदासीनता व संवेदनशीलता के अभाव के कारण से इस कानून की प्रभावी पालन नहीं हो रही है। इसलिए हम सभी वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है! कि हम लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर कहीं पर भी दलित लोगों पर अत्याचार होता है, तो इस एक्ट के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कैसे करवाएं, इस पर प्रकाश डाला और आपने कहा कि पुलिस प्रशासन व अत्याचार करने वाले समुदाय के लोग यह कहते हैं कि एससी/ एसटी एक्ट का दुरुपयोग होता है, लेकिन दलित अधिकार केंद्र का मानना है, कि अभी तो इस कानून का उपयोग ही शुरू नहीं हुआ है, तो दुरुपयोग कहां से होगा। क्योंकि अभी तक तो पूरे कानून का प्रचार- प्रसार ही नहीं हुआ है। कानून के प्रति पुलिस प्रशासन संवेदनसील नहीं हुआ है। आपने बताया कि हम सभी को विभिन्न प्रकार की एप्लीकेशनों के माध्यम से और एक्ट को अच्छी तरह से अध्ययन करके उसके सारे प्रावधानों को लागू करवाने की दिशा में बहुत ही मजबूती के साथ काम करना होगा और अपने केसों में मजबूती के साथ पैरवी करनी होगी तभी हम इस एक्ट का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करवाने में सफल हो पाएंगे। अतः हमारी सामाजिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है, कि हम कानून के दायरे में रहकर पुलिस प्रशासन व जन प्रतिनिधियों तथा कानून की पालना करने वाले उच्च अधिकारियों को संवेदनशील करने का काम करें। दलित अधिकार केंद्र के शहर निदेशक एडवोकेट चांदलाल बैरवा ने नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1995 में व संशोधन अधिनियम 1976 (ढउफ अ२) के बारे में विस्तार से समझाते हुए कहा की न केवल राजस्थान राज्य अपितु पूरे भारत में पिछले कई वर्षों से पीसीआर एक्ट में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है क्योंकि पीसीआर एक्ट के बारे में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, लोगों ,वकीलों को ज्यादा जानकारी नहीं होती है। लोग एससी/ एसटी एक्ट आने के बाद पीसीआर एक्ट को लगभग भूल से गए हैं जबकि पीसीआर एक्ट में भी एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं और इस कानून को भी हमें प्रभावी बनाना है और इसके तहत केस दर्ज करवाने हैं। आपने विभिन्न धाराओं को विस्तार से समझाया और बताया की इसे कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है। सभी को इस एक्ट को प्रभावी बनाने के पर बल दिया। दलित अधिकार केंद्र कि राज्य समन्वय खुशबू सोलंकी ने महिला केसों में किस तरह से परेशानियों का सामना करना पड़ता है व उनका समाधान कैसे किया जा सकता है इसके बारे में बताया और कानूनी रूप से कैसे मजबूत पैरवी करें इसके बारे में भी जानकारी दी। दलित महिला मंच की राज्य समन्वयक कश्मीरा सिंह ने महिलाओं की प्राचीन काल से वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रकाश डाला और बताया की महिलाएं समाज में किस लेवल पर है? आज भी महिलाओं के साथ भेदभाव छुआछूत अत्याचार की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। ना छोटी बच्ची सुरक्षित है ना वृद्ध महिला सुरक्षित है इस तरह का माहौल बना हुआ है। इस भय के माहौल में महिलाएं कैसे सुरक्षित रह पाएंगी इसके लिए हम सभी को संगठित रूप से शिक्षित, जागरूक और संगठित होकर लड़ाई लड़नी होगी तभी हम अपनी बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित कर पाएंगे। आपने विभिन्न महिला सुरक्षा कानूनों के बारे में जानकारी दी और महिलाओं को भी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ने के लिए व मोटिवेशनल रूप से प्रेरित किया बाबा साहब के ध्येय वाक्य शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के नारे को बुलंद करते हुए बताया कि हमें शिक्षित भी होना है संघर्ष भी करना है और संगठित होकर मजबूती से महिलाओं और समाज गरीब और कमजोर लोगों की लड़ाई लड़ने का काम करना है। दलित अधिकार केंद्र गंगापुर सिटी के जिला समन्वयक मनोज कुमार जाटव ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों और वकीलों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

साक्षरता कार्यक्रम के तहत 46 केंद्रों पर संपन्न हुई साक्षरता परीक्षा

चमकता राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड (धर्मेंद्र बंसल) नवभारत साक्षरता मिशन के अंतर्गत रविवार को कोटपूतली परिक्षेत्र के 46 परीक्षा केदो पर साक्षरता परीक्षा संपन्न करवाई गई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए ब्लॉक शिक्षा कार्यालय के अंतर्गत उड़न दस्ते का गठन किया गया जिसमें जोगेंद्र सिंह, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, भागीरथ सिंह मीणा,एसीबीओ प्रथम, दयाराम चोरडिया, एसीबीओ द्वितीय, आशीष यादव संदर्भ व्यक्ति एवं ब्लॉक साक्षरता समन्वयक शिवकुमार शर्मा की टीम गठित करके परीक्षा केदो का अवलोकन एवं परवेक्षण करवाया गया। ब्लॉक कोटपूतली को जिला जयपुर साक्षरता से 1200 परीक्षार्थियों का लक्षय दिया गया था। इस हेतु ब्लॉक कोटपूतली द्वारा अपने लक्षयों की पूर्ति करते हुए 319 पुरुष परीक्षार्थी एवं 881 महिलाएं, कुल 1200 परीक्षार्थी, परीक्षा में शामिल रहे। परीक्षा हेतु कंट्रोल रूम का भी गठन किया गया, जिसमें रघुराज सिंह शेखावत, वरिष्ठ अध्यापक, जितेंद्र यादव, अध्यापक एवं विनोदी लाल जांगिड़, सहायक अध्यापक ने बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस परीक्षा का सफल संचालन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

युवक को अर्धनग्न कर मारपीट का वीडयो वायरल मामला : घटना के दो आरोपी दस्तयाब, पूछताछ जारी

चमकता राजस्थान। जयपुर/बाड़मेर,(खलील कुरैशी) 21 सितम्बर। बाड़मेर जिले में एक युवक को अर्धनग्न कर मारपीट करने के वायरल वीडियो के मामले में धनाउ पुलिस ने गांव मिठाबेरा बामणोर निवासी दो आरोपी भाइयों तेजाराम जाट पुत्र पुनमा राम एवं भगवानाराम को दस्तयाब कर लिया है, जिनसे अग्रिम पूछताछ की जा रही है एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल एक युवक के साथ अर्धनग्न हालत में मारपीट करने का वीडियो संज्ञान में आने पर उन्होंने तुरंत इसकी जांच कर पीड़ित और आरोपियों की पहचान कर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की तो जानकारी में आया कि यह घटना धनाउ थाना क्षेत्र के मिठाबेरा बामणोर में 16 सितंबर 2024 की रात की है।घटना की रात मिठाबेरा बामणोर गांव निवासी पीड़ित जुंझाराम जाट पुत्र पुराराम अपने पड़ोसी रिश्तेदार के घर में घुस गया था। इस पर पड़ौसी काकाई भाईयों तेजा राम, भगवाना राम तथा गेनाराम पुत्र पुनमा राम द्वारा सन्देह के कारण अर्धनग्न कर मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोपियों पर यूरिन पिलाकर वीडियो वायरल करने का भी आरोप लगाया है।पीड़ित जुंझाराम राम से शनिवार 21 सितंबर को घटना के संबंध में पुलिस ने रिपोर्ट प्राप्त कर थाना धनाउ पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 127(2), 119(1) व 3(5) के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया है मामले में आरोपी भाइयों तेजाराम जाट पुत्र पुनमा राम एवं भगवाना राम को दस्तयाब कर पूछताछ की जा रही है।

रूपनगढ़ में जमीन विवाद...

अजमेर में जमीनी विवाद पर फायरिंग, एक - की मौत कई घायल, जेसीबी में लगाई आग

- **विपक्ष ने कानून व्यवस्था की इस चिंतनीय घटना के लेकर भजनलाल सरकार पर साधा निशाना**

चमकता राजस्थान

अजमेर। (रघुनंदन पारीक)। राजस्थान में अजमेर जिले के रूपनगढ़ में जमीन विवाद में किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया के बेटे भंवर सिनोदिया की हत्या के आरोप में बलवाराम चौधरी जेल में सजा काट रहा है. इसी बीच रविवार को उसके भांजे और साथियों ने उनकी रूपनगर स्थित श्वेतांबर जैन समाज छात्रावास की जमीन पर बनाई जा रही दुकानों का विरोध करते हुए हमला कर दिया. हमले के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और जेसीबी में आग लगा दी. घटना के बाद इलाके के बाजार बंद हो गए.

- **- इलाके में दहशत बनी तनाव की स्थिति,पुलिस बल तैनात**

फायरिंग और आगजनी की खबर के बाद इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई. साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूरे इलाके में पुलिस बल भी तैनात किया गया है.सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिंदोइया के बेटे भंवर सिंदोइया हत्याकांड के आरोपी बलवाराम चौधरी के भतीजे दिनेश चौधरी एवं बलवाराम चौधरी के साथियों ने आकर मौके से दुकान बनाने वाले ग्रामीणों के साथ मारपीट की और जेसीबी से दुकान तोड़ने की भी कोशिश की. इस बात को लेकर रुपनगढ़ के ग्रामीण एकत्र होकर जेसीबी के साथ तोड़ फोड़ की. वही दूसरी तरफ मारपीट करने आए बलवाराम चौधरी के भांजे दिनेश चौधरी ने करीब तीन- चार राउंड फायर किया. जिसमें एक ग्रामीण की मौत हो गई. इस मारपीट में तीन-चार व्यक्ति घायल हो गए, जिसमें ग्रामीण नारायण कुमावत को गंभीर अवस्था में जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां उसका इलाज जारी है.हमलावरों ने रूपनगढ़ में श्वेतांबर जैन समाज छात्रावास की जमीन पर बनाई जा रही दुकानों का विरोध कर रहे ग्रामीणों पर हमला कर दिया.

- **कांग्रेस ने इस चिंतनीय घटना को लेकर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर साधा निशाना**

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटनाक्रम की निंदा करते हुए कहा प्रदेश में अब अपराधियों में कानून व्यवस्था का कोई डर नहीं रह गया है कानून व्यवस्था पुरी तरह से ध्वस्त हो चुकी अपराधी बेखौफ और बेलगाम हो हर रोज आपराधिक घटनाक्रम को खुलें आम अंजाम दे रहे हैं निश्चित रूप से भाजपा की भजनलाल सरकार प्रदेश में परस रहे अपराध पर लगाम लगाने में पुरी तरह से फेल हो गयी है चारों तरफ़ अराजकता का माहौल व्याप्त है इसके साथ ही इस घटना में शामिल सभी अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग भी करी

जीवन में उत्तरोत्तर विकास एवं मानवीय मूल्यों की शिक्षा दें शिक्षक : हरिभाऊ बागड़े राज्यपाल

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 22 सितम्बर । अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) के विश्वविद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के जीवन में उत्तरोत्तर विकास के लिए शिक्षा देनी चाहिए राज्यपाल बागडे ने रविवार को विश्वविद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपनी मां तथा परिवार से मिली शिक्षा से बच्चे छोटी उम्र में ही विशेष योग्यताओं को अर्जित कर लेते हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को केन्द्र में रखकर अध्यापन करवाना चाहिए। इससे विद्यार्थी के जीवन में उत्तरोत्तर विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। शिक्षा बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली हो। पाठयक्रम केअतिरिक्तसहशैक्षिक गतिविधियां भी ज्ञान प्राप्ति की साधन होनी चाहिए। इनसे विद्यार्थी कक्षा उत्तीर्ण होने के लिए आवशयक पुस्तकीय ज्ञान से अधिक व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा। राज्यपाल ने कहा कि श्री मा.स. गोलवकर 'गुरूजी' के विचारों पर नई शिक्षा नीति में जोर देना चाहिए। शिक्षा में सुधार के लिए बनी नीतियों, शिक्षा आयोगों एवं कमेटियों के सुझाओं का प्रभाव प्राथमिक शिक्षा पर होने से विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत होगा। भारतीय शिक्षा पद्धति में हमारी संस्कृति, देवधर्म एवं आदर्शों के आचरण को स्थान देना आवशयक है। महर्षि दयानन्द सरस्वती जैसेमहापुरूषों के मानवीय सद्गुणों युक्त नैतिक शिक्षा को अपनाने से विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होगा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ इसी भावना से शिक्षक निर्माण के कार्य में लगा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929